फाल्गुन कृष्ण - 4 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 201 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 16-02-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 ड्रोन की 'क्रांति' को समझने में असफल रहे प्रधानमंत्री : राहुल

6 विंग कमांडर अमरजीत सिंह संधू: पाकिस्तानी विमान को खूब छकाया, हजारों फीट की ऊंचाई पर मार गिराया

7 रकुल प्रीत सिंह ने पोस्ट शेयर करके बताई कंफर्ट जोन की बात

फर्स्ट टेक

ईडी ने 1,646 करोड़ की क्रिप्टोकरेंसी जब्त की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धनशोधन मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए 1,646 करोड़ रुपए की क्रिप्टोकरेंसी जब्त की है। यह जब्ती 'बिटकनेक्ट ऋण कार्यक्रम' के तहत किए गए निवेश घोटाले की जांच के दौरान हुई। ईडी ने 13.50 लाख रुपए नकद, एक वाहन और डिजिटल उपकरण भी जब्त किए हैं। जांच में सामने आया कि लेनदेन डार्क वेब के जरिए किए गए, जिससे उनका पता लगाना मुश्किल हो गया। यह अब तक की सबसे बड़ी क्रिप्टो जब्ती बताई जा रही है। इससे पहले भी 489 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। इस घोटाले में विदेशी नागरिकों के शामिल होने की आशंका है, जबकि मुख्य आरोपी अमेरिका में जांच के दायरे में है।

एकता कपूर के खिलाफ पुलिस जांच के आदेश

मुंबई/भाषा। मुंबई की एक अदालत ने फिल्म निर्माता एकता कपूर के खिलाफ दर्ज आपराधिक शिकायत की जांच के आदेश दिए हैं। शिकायत में उनकी वेब सीरीज में भारतीय सैनिकों के अपमान का आरोप लगाया गया है। बांद्रा मजिस्ट्रेट अदालत ने नौ मई तक पुलिस से रिपोर्ट मांगी है। यह शिकायत यूट्यूबर 'हिंदुस्तानी भाऊ' (विकास पाठक) ने दर्ज कराई थी, जिसमें एकता कपूर, उनके ओटीटी प्लेटफॉर्म 'ऑल्ट बालाजी' और उनके माता-पिता का नाम शामिल है। शिकायत के अनुसार, वेब सीरीज के एक एपिसोड में भारतीय सेना की वर्दी और राष्ट्रीय प्रतीक को अनुचित तरीके से दर्शाया गया, जिससे देश की गरिमा को ठेस पहुंची है।

रूस का पूर्वी यूक्रेन में नया कब्जा, बेरेजिवका गांव पर नियंत्रण

कीव/एपी। रूस ने दावा किया है कि उसकी सेना ने पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में बेरेजिवका गांव पर कब्जा कर लिया है। यूक्रेनी अधिकारियों की ओर से अभी तक इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। रूस की सेना पिछले एक साल से पूर्वी मोर्चे पर लगातार हमले कर रही है, जिससे यूक्रेनी बलों की स्थिति कमजोर हो रही है। हालांकि, इस हमले में रूस को भारी सैनिक और उपकरणों का नुकसान उठाना पड़ा है। रूसी सेना ग्लाइड बम, तोपखाने, मिसाइलों और ड्रोन के हमलों के जरिए पहले क्षेत्र को तबाह करती है, फिर पैदल सेना को भेजकर कब्जा जमाने की रणनीति अपनाती है। रूस दोनेत्स्क और लुहांस्क पर पूर्ण नियंत्रण चाहता है, जो मिलकर यूक्रेन के डोनबास औद्योगिक क्षेत्र का निर्माण करते हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, शनिवार रात तक 40 यूक्रेनी ड्रोन मार गिराए गए।

15-02-2025 सूर्यास्त 6:14 बजे | 16-02-2025 सूर्योदय 6:30 बजे

BSE	NSE
75,939.21	22,929.25
(-199.76)	(-102.15)

सोना	चांदी
8,975 रु.	108,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

भ्रम त्यागें

ट्रम्प और मोदी ने मिल,
दे दिया बहुत सीधा संदेश।
हैं हमदर्द सदा सच्चा,
छोड़े तुरंत सब राग-द्वैष।
बांधे ना मन में छद्म गांठ,
होगा वर्ना इक नया क्लेश।
है महाशक्ति भारत खुद भी,
ना भ्रम में रहे बांग्लादेश।

एआई में दूरगामी प्रगति से भविष्य में होंगे बड़े बदलाव : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में तेजी से प्रगति हो रही है, जिससे भविष्य में बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार उच्च शिक्षा में एआई को एकीकृत करने के लिए कदम उठा रही है और बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी) मेसरा इस दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

राष्ट्रपति शनिवार को बीआईटी मेसरा के प्लेटिनम जयंती समारोह को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि हमारा युग प्रौद्योगिकी का युग है और एआई, मशीन लर्निंग जैसी नई तकनीकों ने जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित किया है। आने वाले समय में इनके व्यापक प्रभाव देखन को मिलेंगे।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एआई के विकास का लाभ समाज के सभी वर्गों को मिलना चाहिए। उच्च शिक्षा में एआई को एकीकृत करने के लिए कई नई पहल की जा रही हैं।

तकनीक का लाभ सभी को मिले

राष्ट्रपति ने कहा कि नवोन्मेष और तकनीक को केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि ग्रामीण और हाशिए पर मौजूद समुदायों को भी इसका लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने नवाचार करने वाले युवाओं से पारंपरिक ज्ञान की उपेक्षा न करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि बीआईटी मेसरा विज्ञान, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में 70 वर्षों से उत्कृष्ट योगदान दे रहा है। संस्थान ने अंतरिक्ष इंजीनियरिंग और रॉकेट विज्ञान के अध्ययन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि आज की युवा पीढ़ी भारत के 'विकसित राष्ट्र' बनने की दिशा में अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने छात्राओं की उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि अब महिलाएं भी विज्ञान, इंजीनियरिंग और तकनीक के क्षेत्र में पीछे नहीं हैं।

राष्ट्रपति ने नवाचार और तकनीकी उपलब्धियों पर आधारित एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक घोटाला: महाप्रबंधक गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। मुंबई पुलिस ने न्यू इंडिया कोऑपरेटिव बैंक के महाप्रबंधक और लेखा प्रमुख हितेश मेहता को 122 करोड़ रुपए के गबन के आरोप में गिरफ्तार किया। आर्थिक अपराध शाखा (एजथ) ने उनसे तीन घंटे तक पूछताछ के बाद यह कार्रवाई की। बैंक के कार्यवाहक सीईओ देवर्षि घोष ने शुक्रवार को दादर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें मेहता और उनके सहयोगियों पर प्रभादेवी और गोरेगांव शाखाओं की तिजोरी से 122 करोड़ रुपए हड़पने का आरोप लगाया गया। पुलिस ने बताया कि मेहता को जांच एजेंसी के कार्यालय में बुलाया गया था, जहां बयान दर्ज करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। रविवार को उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक (ठ्ख) ने हाल ही में बैंक पर कई प्रतिबंध लगाए हैं, जिसमें निकासी पर रोक भी शामिल है। आरबीआई ने बैंक में बढ़ती अनियमितताओं के चलते बोर्ड को भंग कर प्रशासक नियुक्त कर दिया है।

विवादित बयान को लेकर रणवीर इलाहाबादिया ने फिर मांगी माफी

कहा- जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। यूट्यूबर रणवीर इलाहाबादिया ने अपने विवादित बयान को लेकर शनिवार को दोबारा माफी मांगी, लेकिन यह भी कहा कि उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं।

यह विवाद उनके शो इंडियाज गॉट लेटेंट में माता-पिता और सेक्स पर की गई टिप्पणी से शुरू हुआ था, जिसके बाद सोशल मीडिया पर उनकी कड़ी आलोचना हुई। कई लोगों ने उनके बयान को अपमानजनक और असंवेदनशील बताया। विवाद बढ़ने के बाद उनके खिलाफ मुंबई और गुवाहाटी में पुलिस में शिकायतें दर्ज कराई गईं।

इलाहाबादिया ने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा, मैं अपनी टिप्पणी के लिए माफी मांगता हूं। यह असंवेदनशील और अपमानजनक थी। मैं कानून का सम्मान करता हूं और उचित प्रक्रिया का पालन करूंगा। लेकिन अब हालात डराने वाले हो गए हैं। उन्होंने दावा किया कि कुछ लोग मरीज बनकर उनकी मां के क्लिनिक में घुस आए और उनके परिवार को नुकसान पहुंचाने की धमकियां दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं पता कि इस स्थिति से कैसे निपटना है, लेकिन वह पुलिस और न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा रखते हैं।

इस विवाद के चलते यूट्यूबर समय रैना ने शो के सभी 18 एपिसोड यूट्यूब से हटा दिए हैं और जांच में सहयोग करने की बात कही है। मामला संसद में भी पहुंच गया, जहां संचार और सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति की बैठक में विभिन्न दलों के नेताओं ने नाराजगी जताई।

वक्फ संशोधन विधेयक पर राजग सहयोगियों की सहमति : किरेन रिजिजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शीनगर/एजेन्सी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने शनिवार को कहा कि एनडीए के प्रमुख सहयोगीबिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार (जदयू) और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू (तेदेपा)वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 पर सहमत हैं।

उन्होंने बताया कि संसद की संयुक्त समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट 13 फरवरी को पेश की गई, लेकिन विपक्ष ने इसे लेकर हंगामा किया। रिजिजू ने कहा कि विधेयक को लेकर गलत धारणाएं फैलाई जा रही हैं और इसका उद्देश्य केवल वक्फ संपत्तियों की सुरक्षा करना है, जो भारत में सबसे बड़ी हैं।

रिजिजू ने जोर देकर कहा कि विधेयक पारदर्शिता लाने के लिए है, और मुसलमानों से संपत्ति छीनकर किसी और को देने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा कि देश कानून से चलता है, किसी की संपत्ति जबरदस्ती नहीं छीनी जा सकती।

केंद्रीय मंत्री के अनुसार, कई मुस्लिम समुदाय के लोग, खासकर महिलाएं, इस विधेयक का समर्थन कर रही हैं, लेकिन विपक्षी मुस्लिम सांसद पार्टी की मजबूरियों के कारण इसका विरोध कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने किसी सांसद का नाम नहीं लिया।

जम्मू-कश्मीर के राज्य दर्जे पर बोले

जब उनसे जम्मू-कश्मीर को दोबारा राज्य का दर्जा देने को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कोई समयसीमा देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि सही समय पर राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा।

रिजिजू ने अपनी कश्मीर यात्रा को केंद्रीय बजट से जुड़ा बताया और कहा कि मोदी सरकार के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर का तेज विकास हो रहा है।

लोकतंत्र सिर्फ पश्चिम की विशेषता नहीं: जयशंकर

लोकतांत्रिक भारत 80 करोड़ लोगों को भोजन उपलब्ध कराने में समर्थ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

म्यूनिख/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में कहा कि भारत में लोकतंत्र केवल एक राजनीतिक प्रणाली नहीं, बल्कि एक ऐसा प्रभावी मॉडल है, जो 80 करोड़ लोगों को भोजन और पोषण सहायता देने में सक्षम है। उन्होंने पश्चिमी देशों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वे लोकतंत्र को सिर्फ अपनी विशेषता मानते हैं और अपनी जरूरतों के हिसाब से इसकी परिभाषा तय करते हैं।

जयशंकर ने यह टिप्पणी अमेरिकी सीनेटर एलिसा स्लॉटकिन के उस बयान के जवाब में की, जिसमें उन्होंने कहा था कि लोकतंत्र खाने की व्यवस्था नहीं करता। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए जयशंकर ने कहा, सीनेटर, आपने कहा कि लोकतंत्र खाने की व्यवस्था नहीं करता। लेकिन, दुनिया के मेरे हिस्से में, यह (लोकतंत्र) ऐसा करता है। आज हम एक लोकतांत्रिक समाज हैं और 80 करोड़ लोगों को पोषण सहायता और भोजन उपलब्ध कराते हैं। यह इस पर निर्भर करता है कि वे कितने स्वस्थ हैं और उनका पेट कितना भरा हुआ है। इसलिए, मैं यह कहना चाहता हूं कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग तरह की बातचीत हो रही है। कृपया इसे सार्वभौमिक सत्य न मानें।

पश्चिम अपने आदर्शों को खुद नहीं अपनाता

जयशंकर ने पश्चिमी देशों पर निशाना साधते हुए कहा कि वे जिन लोकतांत्रिक मूल्यों की बात करते हैं, उन्हें खुद अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों में नहीं अपनाते। उन्होंने कहा, एक समय था जब पश्चिम लोकतंत्र को अपनी विशेषता मानता था और वैश्विक दक्षिण में गैर-लोकतांत्रिक ताकतों को बढ़ावा देने में व्यस्त था। आप अपने देश में जिस चीज को महत्व देते हैं, वही चीज आप विदेशों में लागू नहीं करते।

सद्गुरु ने परीक्षा से पहले तनाव से बचने और आनंदपूर्वक सीखने के मंत्र दिए

नई दिल्ली/भाषा। आध्यात्मिक नेता सद्गुरु जग्गी वासुदेव ने प्रधानमंत्री की 'परीक्षा पे चर्चा' के तहत शनिवार को छात्रों के साथ आनंदपूर्वक सीखने और परीक्षा से पहले तनाव से बचने के मंत्र साझा किए। उन्होंने कहा कि पाठ्यपुस्तकें बुद्धिमत्ता के लिए चुनौती नहीं हैं और छात्रों को अपने ऊपर तनाव को हावी नहीं होने देना चाहिए। सद्गुरु ने कहा, आपकी पाठ्यपुस्तक आपकी बुद्धिमत्ता के लिए चुनौती नहीं है, चाहे आप कोई भी हों। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने अब तक स्कूल में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। मैं आपको बता रहा हूं कि पाठ्यपुस्तकें कोई चुनौती नहीं हैं। उन्होंने छात्रों से कहा, आप खेल-खेल में क्यों नहीं सीख सकते? यदि आप इसे खेल-खेल में सीखते हैं, तो आपकी पाठ्यपुस्तक चुनौती नहीं होगी।

ट्रंप की नई नीतियों से यूरोप में हलचल, जेलेंस्की और शोल्ज का कड़ा रुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

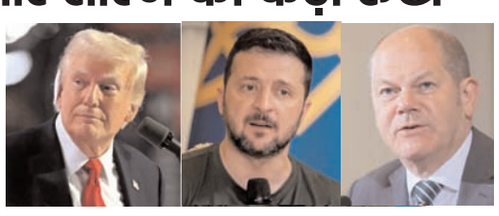

म्यूनिख/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नई विदेश नीति से यूरोप में असंतोष बढ़ रहा है। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की और जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज ने इस पर कड़ा रुख अपनाया। दोनों नेताओं ने वाशिंगटन के हालिया फैसलों की आलोचना करते हुए यूरोप की संप्रभुता और सुरक्षा को लेकर चिंता जताई।

जेलेंस्की की अपील – 'यूरोपीय सेना' बने

रूस के खिलाफ तीन साल से लड़ रहे यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यूरोप की सामूहिक सुरक्षा को मजबूत करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा, अब समय आ गया है कि यूरोप अपनी सशस्त्र सेना का गठन करे। उनका मानना है कि यूरोप को अपनी रक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, बल्कि स्वतंत्र सैन्य शक्ति का निर्माण करना चाहिए।

ट्रंप-पुतिन वार्ता पर जेलेंस्की की नाराजगी

हाल ही में ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच फोन पर बातचीत हुई थी, जिसके बाद ट्रंप ने कहा कि वह यूक्रेन युद्ध समाप्त करने के लिए पुतिन से सीधी वार्ता करेंगे। इस पर जेलेंस्की ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यूक्रेन अपनी पीठ पीछे हुई किसी वार्ता या समझौते को स्वीकार नहीं करेगा। यूरोप को भी इस प्रक्रिया में शामिल किया जाना चाहिए।

शोल्ज ने अमेरिका की नीतियों पर सवाल उठाए

जर्मनी के चांसलर ओलाफ शोल्ज ने अमेरिका के नए रुख पर नाराजगी जताई। उन्होंने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस द्वारा जर्मनी के दक्षिणपंथी नेता से मुलाकात को लोकतंत्र में हस्तक्षेप करार दिया। उन्होंने कहा, हम अपने लोकतांत्रिक मूल्यों से समझौता नहीं कर सकते और बाहरी ताकतों को हमारे चुनावों में हस्तक्षेप करने की अनुमति नहीं देंगे।

संगम में उमड़ा आस्था का सैलाब

- महाकुंभ में अब तक 51 करोड़ 47 लाख से अधिक श्रद्धालु आ चुके हैं, जो एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभनगर/एजेन्सी। प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं की आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। शनिवार को एक करोड़ 38 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने संगम में पुण्य स्नान किया। प्रशासन के अनुमान के अनुसार, रविवार को भी स्नान के लिए भारी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रयागराज जिला प्रशासन और मेला प्राधिकरण ने विशेष इंतजाम किए। मेला क्षेत्र को नो व्हीकल जोन घोषित कर दिया गया था, जिससे श्रद्धालुओं को पैदल ही घाटों तक पहुंचना पड़ा। पुलिस प्रशासन ने निकटतम घाटों पर स्नान करने और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में अधिक समय न बिताने की अपील की। पूरे मेला क्षेत्र में ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही थी, और बेरीकेडिंग के जरिये भीड़ को व्यवस्थित करने की कोशिशें दिनभर जारी रहीं।

महाकुंभ में अब तक 51 करोड़ 47 लाख से अधिक श्रद्धालु आ चुके हैं, जो एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड है। इससे पहले, सरकार ने कुल 45 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया था, लेकिन वास्तविक आंकड़ा उससे कहीं अधिक निकल चुका है।

महाकुंभ से विदा हुए दंडी स्वामी संत

बसंत पंचमी के अमृत स्नान के बाद 13 अखाड़ों की विदाई हो चुकी थी, अब माघ पूर्णिमा के साथ कल्पवासी और दंडी संन्यासी भी विदा हो गए। संगम तट पर एक महीने तक साधना करने के बाद, सनातन धर्म के संरक्षक माने जाने वाले दंडी संन्यासियों ने फाल्गुन त्रयोदशी पर अंतिम स्नान कर महाकुंभ को अलविदा कहा।

अखिल भारतीय दंडी परिषद के प्रमुख जगद्गुरु स्वामी महेशाश्रम ने बताया कि यह स्नान कल्पवास के दौरान अनजाने में हुए पापों के निवारण के लिए किया जाता है। दंडी संन्यासी परिषद के अध्यक्ष स्वामी शंकराश्रम ने कहा कि 50 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति यह दर्शाती है कि सनातन धर्म की शक्ति बढ़ रही है।

इस महाकुंभ में युवाओं की भागीदारी बढ़ी, जो धर्म के प्रति उनके बढ़ते जुड़ाव का संकेत है। योगी आदित्यनाथ हिंदू युवाओं के नए प्रेरणास्रोत बनकर उभरे हैं, और उनकी नीतियों ने सनातन संस्कृति को मजबूती दी है। संतों ने कहा कि महाकुंभ न केवल आध्यात्मिक उन्नति, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का भी प्रतीक है।

सहज स्मृति योग

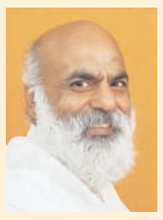

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरु जी, यह तो मैं देख ही रही हूँ कि दुनिया में ज्यादातर लोग यह मानते ही हैं कि कोई सर्वव्यापी और सर्वशक्तिमान परमेश्वर है लेकिन मेरे लिए तो इससे कुछ भी सिद्ध नहीं होता क्योंकि मेरी बुद्धि कहती है कि मान्यता कोई भी हो, वह सही हो भी सकती है और नहीं भी। परंतु किसी भी मान्यता का यथार्थ होना ज़रूरी तो नहीं। अब मैं आपसे पूछती हूँ आपके पास परमेश्वर के अस्तित्व का क्या प्रमाण है?

उत्तर: परमेश्वर के अस्तित्व का प्रमाण तो स्वयं परमेश्वर ही दे सकते हैं। इसलिए आपको पहले स्वयं यह विवेक प्राप्त करना होगा कि परमेश्वर की कौन सी परिभाषा या पहचान आपकी बुद्धि को यथार्थ लगती है। उसके उपरांत ही आप अपनी उस बुद्धि से पहचान कर या उस परिभाषा पर कसकर परमेश्वर को पहचान सकेंगी और अपनी बुद्धि के अनुरूप उसके यथार्थ स्वरूप को जान सकेंगी और जब सूक्ष्म और शुद्ध की हुई बुद्धि सभी मान्यताओं से आपको पार करा कर स्वयं अपने भी पार कर देगी तब आप स्वयं ही उसी की प्रमाण हो जाएंगी और स्वयं ही उसको देखने में समर्थ हो जाएँगी जिसके अस्तित्व का प्रमाण आप ढूँढ़ या मांग रही हैं। किसी व्यक्ति के लिए परमेश्वर का साक्षात् प्रमाण जिस व्यक्ति ने उन्हें गुरु रूप में चुना होता है वह व्यक्ति ही होते हैं।

छत्तीसगढ़: नगर निकाय चुनावों में भाजपा की शानदार जीत

महापौर के सभी 10 पदों पर जमाया कब्जा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। छत्तीसगढ़ में विधानसभा तथा लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को शिकस्त देने के बाद नगर निकाय चुनावों में भी भारतीय जनता पार्टी ने सूपड़ा साफ करते हुए महापौर के सभी 10 पदों पर जीत हासिल की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बताया कि सत्ताधारी दल भाजपा ने सभी 10 नगर निगमों में महापौर पद तथा 35 नगर पालिका परिषदों और 81 नगर पंचायतों में अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की है। राज्य के 10 नगर निगमों, 49 नगर पालिका परिषदों और 114 नगर पंचायतों में हुए आम चुनावों के लिए शनिवार को मतगणना जारी है। अधिकारियों ने बताया कि आठ नगर पालिका परिषदों और 22 नगर पंचायतों में अध्यक्ष पद पर विपक्षी दल कांग्रेस ने जीत दर्ज की जबकि आम आदमी पार्टी (आप) ने एक नगर पालिका परिषद और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने एक नगर पंचायत में अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की है। अधिकारियों ने बताया कि पांच नगर पालिका परिषदों और 10 नगर पंचायतों में अध्यक्ष पद पर निर्दलीय उम्मीदवारों ने अपना कब्जा जमाया। उन्होंने बताया कि रुझानों के अनुसार भाजपा अधिकांश वार्डों में जीत चुकी है या आगे है। नगर निकाय चुनावों में भाजपा के प्रदर्शन की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसे ऐतिहासिक दिन करार दिया और कहा कि यह छत्तीसगढ़ के राजनीतिक इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित होगा। साय ने यहां संवाददाताओं से कहा, आज का दिन भाजपा और छत्तीसगढ़ सरकार के लिए ऐतिहासिक है। यह छत्तीसगढ़ के राजनीतिक इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित होगा क्योंकि भाजपा ने नगर निकाय चुनावों में ऐतिहासिक जीत दर्ज की है।

जम्मू कश्मीर: उपराष्ट्रपति धनखड़ ने वैष्णो देवी मंदिर में पूजा-अर्चना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटरा(जम्मू कश्मीर)/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में माता वैष्णो देवी मंदिर में शनिवार को पूजा-अर्चना की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

धनखड़, श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करने के लिए एक दिवसीय दौरे पर यहां आए हैं। अधिकारियों ने बताया कि उपराष्ट्रपति धनखड़ यहां दीक्षांत समारोह में भाग लेने के बाद उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ दोपहर में गुफा मंदिर पहुंचे और उन्होंने वहां पूजा-अर्चना की। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अंशुल गर्ग ने उनकी अगवानी की और तीर्थयात्रियों को सुविधा मुहैया करने के लिए कार्यान्वित की जा रही विभिन्न विकास परियोजनाओं के बारे में उन्हें जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपराष्ट्रपति ने भैरव मंदिर का भी दौरा किया। धनखड़ को पिछले साल 27 दिसंबर को दीक्षांत समारोह के लिए विश्वविद्यालय परिसर का दौरा करना था, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन के बाद केंद्र द्वारा राजकीय शोक की घोषणा किए जाने के चलते उनकी यात्रा का कार्यक्रम पुनर्निर्धारित किया गया था। धनखड़ के कटरा रवाना होने से पहले हवाई अड्डे पर उपराज्यपाल सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने उनकी अगवानी की।

प्रधानमंत्री मोदी की जाति पर रेवंत रेड्डी की टिप्पणी गैरजिम्मेदाराना है: केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय कोयला मंत्री जी. किशन रेड्डी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की उस टिप्पणी को शनिवार को ''गैरजिम्मेदाराना'' करार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जन्म से पिछड़ा वर्ग से नहीं हैं।

किशन रेड्डी ने नलगोंडा में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि गुजरात में कांग्रेस का शासन रहने के दौरान मोदी के समुदाय को पिछड़ी जाति की सूची में शामिल किया गया था। उन्होंने कहा कि अविभाजित आंध्र प्रदेश में 1970 के बाद कुछ जातियों को पिछड़े वर्गों के रूप में मान्यता दी गई थी।

केंद्रीय मंत्री ने इस बात पर हैरानी जताई कि क्या रेवंत रेड्डी यह भी दावा करेंगे कि ''वे सभी समुदाय, पिछड़ा वर्ग नहीं हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष किशन रेड्डी ने कहा, वह (रेवंत रेड्डी) इतना गैरजिम्मेदाराना बयान कैसे दे सकते हैं? अगर आप कोई बयान देते हैं तो वह तथ्यों पर आधारित होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए कई कदम उठाए हैं। रेड्डी ने कहा कि केंद्र में मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया।

रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस के एक कार्यक्रम में शुक्रवार को दावा किया था कि मोदी जन्म से पिछड़ा वर्ग से नहीं हैं और उन पर ''पिछड़ा वर्ग विरोधी मानसिकता'' रखने का आरोप लगाया।

मध्यप्रदेश में वैश्विक क्षमता केंद्र नीति से निवेश, नवाचार का नया युग शुरू होगा: यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने 'मध्यप्रदेश वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) नीति 2025' शुरू की है। उन्होंने बताया कि यह नीति बहुराष्ट्रीय कंपनियों को आकर्षित करने और राज्य को एक डिजिटल एवं तकनीकी केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में बड़ा कदम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत और 'डिजिटल इंडिया' कार्यक्रमों को गति देने में यह नीति एक मील का पत्थर साबित होगी।

भोपाल में होने वाले वैश्विक निवेशक सम्मेलन-2025 से इस नीति को वैश्विक स्तर पर पेश करने का सबसे बड़ा मंच मिलेगा। बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी निवेशक सम्मेलन का 24 फरवरी को शुभारंभ करेंगे, जिससे मध्यप्रदेश का निवेश परिदृश्य और भी मजबूत होगा। दुनिया भर के निवेशकों, उद्योगपतियों और नीति-निर्माताओं के समक्ष यादव इस नीति को पेश करेंगे। सम्मेलन से जीसीसी के लिए बड़ी संख्या में निवेश प्रस्तावों की उम्मीद है, जिससे राज्य का आर्थिक विकास होगा। जीसीसी ऐसे केंद्र हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय कंपनियां अपने मुख्यालय से अलग अन्य देशों में स्थापित करती हैं। इनका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर अपने परिचालन को सुचारू रूप से चलाना और अत्याधुनिक तकनीकों का लाभ उठाना होता है।

तेलंगाना में मुसलमानों को पिछड़ा वर्ग में शामिल करने को केंद्र नहीं करेगा

स्वीकार: बंदी संजय कुमार

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार मुसलमानों को पिछड़ा वर्ग में शामिल करने के तेलंगाना सरकार के कदम को स्वीकार नहीं करेगी। उनकी टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि तेलंगाना सरकार ने हाल ही में विधानसभा में एक विधेयक पारित करने की योजना की घोषणा की है, जिसमें ओबीसी के लिए आरक्षण को बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने और इसे संसदीय मंजूरी के लिए केंद्र सरकार को भेजने की बात कही गई है। इस प्रस्ताव के पारित होने के बाद आरक्षण पर लगी 50 प्रतिशत की सीमा पार हो जाएगी।

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री कुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमारा रुख बहुत स्पष्ट है। केंद्र सरकार 10 प्रतिशत मुसलमानों को पिछड़ा वर्ग श्रेणी में शामिल करने को स्वीकार नहीं करेगी। हम धर्म आधारित आरक्षण का विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि यदि राज्य सरकार मुसलमानों को पिछड़ी जाति की सूची से हटाने के बाद विधेयक को केंद्र सरकार को भेजती है, तो भाजपा की राज्य इकाई के नेता केंद्रीय नेतृत्व को इसे पारित करने के लिए मनाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, यदि मुसलमानों को पिछड़ी जातियों की श्रेणी में शामिल किया जाता है, तो पिछड़े वर्गों को नौकरियों, आरक्षण, शैक्षिक अवसरों, बजट आवंटन और अन्य क्षेत्रों में नुकसान होगा। उन्होंने कहा, मुसलमान पहले से ही अल्पसंख्यकों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) की श्रेणी के तहत लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

अमृतसर को निर्वासन केंद्र न बनाएं : भगवंत मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अमृतसर हवाई अड्डे पर 'अवैध भारतीय प्रवासियों' को लेकर आए अमेरिकी विमानों के उतरने को लेकर केंद्र पर हमला तेज करते हुए शनिवार को कहा कि इस पवित्र शहर को 'निर्वासन केंद्र' न बनाया जाए।

अमेरिका से 119 निर्वासित भारतीयों को लेकर दूसरा विमान शनिवार रात को अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरेगा। पांच फरवरी को 104 अवैध भारतीय प्रवासियों को लेकर एक अमेरिकी सैन्य विमान अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरा। इनमें से 33-33 हरियाणा और गुजरात से थे, जबकि 30 पंजाब से थे। मुख्यमंत्री ने शनिवार को अमृतसर हवाई अड्डे का दौरा किया और कहा कि उनकी सरकार ने निर्वासितों के दूसरे जत्थे में शामिल पंजाब के लोगों को उनके गृहनगर ले जाने की व्यवस्था की है।

मान ने कहा कि अन्य राज्यों से आए निर्वासित लोग रविवार सुबह एक उड़ान से अमृतसर से दिल्ली पहुंचेंगे और फिर उन्हें उनके संबंधित स्थानों पर ले जाया जाएगा। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार अमेरिका से निर्वासितों को लेकर दूसरे विमान के शनिवार रात करीब 10 बजे अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरने की उम्मीद है।

कोचिंग संस्थानों को विनियमित किया जाए: कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने छात्रों की आत्महत्या मामलों का हवाला देते हुए शनिवार को सरकार से आग्रह किया कि देश में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी), मेडिकल और इंजीनियरिंग से जुड़ी प्रमुख परीक्षाओं की तैयारी कराने वाले कोचिंग संस्थानों को विनियमित किया जाए। उन्होंने कहा कि निजी कोचिंग संस्थानों की बाढ़ आ गई है क्योंकि सरकारी संस्थानों की हालत ठीक नहीं है।

कुमार ने संवाददाताओं से कहा, पिछले कई दिनों से लगातार एक खबर आ रही है जिसमें डॉक्टर-इंजीनियर बनाने का दावा करने वाले कोचिंग संस्थानों के लोगों से शुल्क वसूलकर गायब हो जाने का जिक्र है। देश में जब भी ऐसी व्यवस्थागत विफलता होती है, तो उसकी जिम्मेदारी सरकार को लेनी चाहिए। उन्होंने दावा किया, आज सरकार और बाजार के बीच में देश के विद्यार्थी, नागरिक पिस रहे हैं। आज देश में सपना बेचा जा रहा है और कोचिंग संस्थानों की बाढ़ आई हुई है, क्योंकि सरकारी व्यवस्था की हालत कमजोर है। कुमार ने यह भी कहा कि आज देश में हर घंटे करीब दो छात्र और 24 घंटे में करीब 28 छात्र आत्महत्या कर रहे हैं। उनका कहना है, जैसे किसान की आत्महत्या के लिए 'व्यवस्था प्रणाली' जिम्मेदार है, वैसे ही छात्रों की आत्महत्या के लिए भी यही व्यवस्था प्रणाली जिम्मेदार है।

भारत के 2030 तक 30 करोड़ टन इस्पात क्षमता को पार करने की उम्मीद: सेल चेयरमैन

नई दिल्ली/भाषा। सेल के चेयरमैन अमरेंदु प्रकाश ने शनिवार को कहा कि मजबूत मांग के दम पर भारत 2030 तक 30 करोड़ टन इस्पात उत्पादन क्षमता के लक्ष्य को पार कर सकता है। प्रकाश ने कहा कि जब भारत की कुल इस्पात उत्पादन क्षमता को 30 करोड़ टन प्रतिवर्ष तक बढ़ाने के लिए 2017 में राष्ट्रीय इस्पात नीति शुरू की गई थी, तब यह आंकड़ा अवास्तविक लग रहा था। उन्होंने कहा कि भारत में इस्पात उत्पादन क्षमता अगले पांच वर्षों (2030) में 18 करोड़ टन से बढ़कर 33 करोड़ टन हो जाएगी।

सेल चेयरमैन ने कहा, 2017 में भारत ने एक राष्ट्रीय इस्पात नीति लागू की थी, और हमने कहा था कि 2030 तक हम 30 करोड़ टन तक पहुंचना चाहते हैं। इस्पात विनिर्माताओं के रूप में हमें आश्चर्य हुआ। उन्होंने आगे कहा, मैं स्वीकार करता हूं कि हमें उस समय भरोसा नहीं हुआ कि भारत में 30 करोड़ टन इस्पात बन सकता है।

केजरीवाल के 'शीशमहल' का विस्तार किए जाने के आरोपों की जांच होगी: भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) को 6, फ्लैगस्टाफ रोड बंगले के विस्तार के लिए संपत्तियों के कथित विलय और इसकी साज-सज्जा पर हुए खर्च की विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया है।

भाजपा ने कथित भ्रष्टाचार के कारण इस बंगले को ''शीशमहल'' करार दिया है। इसमें अरविंद केजरीवाल दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में 2015 से पिछले साल अक्टूबर के पहले सप्ताह तक रहे थे। इस मामले पर आम आदमी पार्टी (आप) या इसके संयोजक केजरीवाल ने तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। सीवीसी ने भाजपा नेता विजेंद्र गुप्ता की दो पिछली शिकायतों और सीपीडब्ल्यूडी की तथ्यात्मक रिपोर्टों का संज्ञान लिया है और उसके आधार पर अब विस्तृत जांच करने का निर्देश दिया है। रोहिणी से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि 14 अक्टूबर 2024 को सीवीसी को की गई उनकी पहली शिकायत में आरोप लगाया गया था कि केजरीवाल ने 40,000 वर्ग यार्ड (आठ एकड़) जमीन पर एक भव्य महल के निर्माण के लिए भवन नियमों का उल्लंघन किया। गुप्ता ने आरोप लगाया कि राजपुर रोड पर भूखंड संख्या 45 और 47 (पहले 'टाइप-फाइव' फ्लैट में वरिष्ठ अधिकारियों और न्यायाधीशों के आवास थे) तथा दो बंगलों (8-ए और 8-बी, फ्लैग स्टाफ रोड) समेत सरकारी संपत्तियों को ध्वस्त कर दिया गया और नए आवास में मिला दिया गया। उन्होंने कहा कि इस दौरान मानदंडों का उल्लंघन किया गया और उचित अनुमोदन नहीं लिया गया। उन्होंने कहा, सीवीसी ने 16 अक्टूबर 2024 को शिकायत दर्ज की और मामले को सीपीडब्ल्यूडी को भेज दिया जिसने उल्लंघन की पुष्टि करते हुए पांच दिसंबर 2024 को अपनी तथ्यात्मक रिपोर्ट सौंपी।

आठवले को पैसे की मांग संबंधी धोखाधड़ी का फोन आया, सतर्क कर्मी ने बचाया

मुंबई/भाषा। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने शनिवार को कहा कि एक व्यक्ति ने फोन पर उन्हें दुर्घटना की झूठी कहानी सुनाकर ठगने की कोशिश की लेकिन उनके सहायक की सतर्कता के कारण वह बच गए। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने घटना का उल्लेख करते हुए बताया कि कल जब उन्हें एक व्यक्ति का फोन आया, तो वह बिहार में थे। आठवले ने बताया कि उसने (फोन करने वाले व्यक्ति ने) खुद को महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले के शिरडी का शिक्षक बताया। आठवले ने शिरडी में कहा, फोन करने वाले व्यक्ति ने दावा किया कि उसके स्कूल के विद्यार्थियों को ले जा रही गाड़ी गोंदिया में दुर्घटनाग्रस्त हो गई है, जिस कारण आठ से 10 विद्यार्थी घायल हो गए हैं। उसने उनके इलाज के लिए जी-पे (गूगल पे) के जरिए पैसे मांगे। मैंने गोंदिया में पार्टी कार्यकर्ताओं को फोन करके इसकी जांच करने और मदद करने को कहा।

मेटा ने कहा, भारत सबसे लंबी समुद्री केबल परियोजना 'वाटरवर्थ' से जुड़ेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सोशल मीडिया प्रमुख मेटा ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे लंबी समुद्री केबल परियोजना 'वाटरवर्थ' से जुड़ेगा, जिसके इस दशक के अंत तक चालू होने की उम्मीद है। मेटा ने 'प्रोजेक्ट वाटरवर्थ' की घोषणा की है, जो पांच प्रमुख महाद्वीपों तक पहुंचेगा और 50,000 किलोमीटर से अधिक लंबा होगा। इसकी लंबाई पृथ्वी की परिधि से भी अधिक है। यह परियोजना अमेरिका-भारत संयुक्त नेतृत्व बयान का हिस्सा थी, जिसे 13 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के बाद जारी किया गया था। मेटा के प्रवक्ता ने शनिवार को कहा, मेटा भारत में निवेश कर रहा है, जो इसके सबसे बड़े बाजारों में से एक है।

सभी विवाद अदालत के लिए उपयुक्त नहीं होते, मध्यस्थता ही समाधान का तरीका है: सीजेआई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना ने शनिवार को कहा कि सभी विवाद अदालत और मुकदमेबाजी के लिए उपयुक्त नहीं होते हैं तथा उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मध्यस्थता समस्या के निवारण का तरीका है क्योंकि यह रचनात्मक समाधान प्रदान करता है और संबंधों को मजबूत करता है।

नागपुर में महाराष्ट्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एमएनएलयू) के तीसरे दीक्षांत समारोह में उन्होंने कहा कि प्रत्येक मामले को कानूनी मुद्दों की नजर से नहीं बल्कि एक मानवीय पहलू के रूप में देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय कानूनी सहायता का स्वरूप शायद दुनिया में सबसे मजबूत है, जहां सभी हितधारकों को सहायता दी जाती है।

सीजेआई ने कहा, सभी विवाद अदालत, मुकदमेबाजी या यहां तक कि मध्यस्थता के लिए उपयुक्त नहीं होते। मध्यस्थता, समस्या के निवारण करने का वह तरीका है जो हमें विवाद के समाधान से कहीं अधिक उपाय प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह रचनात्मक समाधानों के द्वार खोलता है। उन्होंने कहा कि इस मार्ग को चुनकर हम न केवल संघर्षों को कुशलतापूर्वक हल करते हैं, बल्कि लोगों और व्यवसायों के बीच संबंधों को भी मजबूत करते हैं। सीजेआई खन्ना ने कहा कि वकील समस्या समाधानकर्ता होते हैं, जिन्हें रचनात्मक समाधान प्रदान करना होता है जो समस्या के कानूनी और मानवीय, दोनों आयामों को संबोधित करते हैं। उन्होंने कहा, जैसे-जैसे हमारी समस्याएं और अधिक गतिशील होती जा रही हैं, उनके समाधान की आवश्यकता और अधिक लचीली होनी चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश ने सभी से लीक से हटकर सोचने और न्याय प्रदान करने को किफायती और समयबद्ध बनाने के लिए अपने दायरे को व्यापक बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी ऐसी चुनौतियों का सामना कर रही है, जिनकी हमारे पूर्ववर्तियों ने शायद ही कल्पना की होगी, जैसे जलवायु परिवर्तन, जो न केवल हमारे पर्यावरण के लिए खतरा है, बल्कि मानवाधिकारों और सामाजिक न्याय के मूल ढांचे के लिए भी खतरा है।

सीबीएसई की 10वीं, 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं शुरू, 42 लाख से अधिक छात्र देंगे परीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की 10वीं और 12वीं कक्षाओं की बोर्ड परीक्षाएं शनिवार को शुरू हो गईं तथा देश-विदेश में 7,800 से अधिक केंद्रों पर 42 लाख से अधिक छात्र इसमें शामिल होंगे।

बोर्ड अधिकारियों के अनुसार, 10वीं कक्षा के कुल 24.12 लाख छात्र 84 विषयों की परीक्षा देंगे, जबकि 17.88 लाख से अधिक छात्र 120 विषयों में 12वीं कक्षा की परीक्षा देंगे। परीक्षाएं भारत में 7,842 केंद्रों और विदेशों में 26 केंद्रों पर हो रही हैं। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा के पहले दिन, कक्षा 10 के छात्रों ने अंग्रेजी (संचार) और अंग्रेजी (भाषा और साहित्य) की परीक्षा दी जबकि 12वीं कक्षा के छात्रों ने उद्यमिता की परीक्षा दी। कक्षा 10 की परीक्षाएं 18 मार्च को और कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाएं चार अप्रैल को समाप्त होंगी। सीबीएसई ने बोर्ड परीक्षाओं से पहले अपनी वार्षिक 'काउंसलिंग' सेवा भी शुरू की है, ताकि छात्रों में परीक्षा से संबंधित तनाव को कम किया जा सके। बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, सीबीएसई से संबद्ध विद्यालयों के 66 प्रशिक्षित पेशेवर प्रधानाध्यापकों, काउंसलर, विशेष शिक्षकों और मनोवैज्ञानिकों की एक टीम छात्रों को स्वैच्छिक सहायता प्रदान करेगी। ये सेवाएं सोमवार से शनिवार तक सुबह साढ़े नौ बजे से शाम साढ़े पांच बजे के बीच उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा, 51 परामर्शदाता भारत में हैं, जबकि 15 परामर्शदाता नेपाल, जापान, कतर, ओमान और संयुक्त अरब अमीरात से छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए जुड़ेंगे।

एलडीएफ,यूडीएफ ने वायनाड पुनर्वास के लिए केंद्र की ऋण शर्तों की आलोचना की, भाजपा का पलटवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/त्रिशूर। वायनाड पुनर्वास के लिए केंद्र द्वारा 529.50 करोड़ रुपये के सशर्त ऋण ने केरल की राजनीति में उबाल ला दिया है और सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) तथा विपक्षी संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा(यूडीएफ) ने शर्तों की आलोचना की है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा कि दी गई राशि वास्तव में अनुदान है।

केरल के राजस्व मंत्री के राजन ने शनिवार को कहा कि वायनाड पुनर्वास के लिए केंद्र द्वारा स्वीकृत 529.50 करोड़ रुपये के ऋण में ऐसी शर्तें हैं जो भयावह और भद्दा मजाक हैं। केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी.डी. सतीसन ने एक दिन पहले इन शर्तों, खास तौर पर 31 मार्च तक पूरी राशि का उपयोग करने की शर्त को अव्यावहारिक बताया था।

केरल की वामपंथी सरकार और विपक्षी यूडीएफ पर पलटवार करते हुए भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने कहा कि यह 50 साल का ब्याज मुक्त ऋण है जो वास्तव में अनुदान है। उन्होंने यह भी कहा कि पिनराई विजयन सरकार तथा यूडीएफ को 50 साल बाद राशि चुकाने के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि पांच साल बाद इसकी जिम्मेदारी यहां राष्ट्रीय पार्टी पर आ जाएगी जो स्पष्ट रूप से भाजपा की ओर इशारा है। तिरुवनंतपुरम में सुरेंद्रन ने संवाददाताओं से कहा कि इस मुद्दे पर चुप्पी

साध लेने और राजनीतिक बयानबाजी करने के बजाय, सरकार को पिछले साल जुलाई में वायनाड में हुए भूस्खलन के पीड़ितों के पुनर्वास के लिए राशि का उपयोग करने के लिए तत्काल कदम उठाने चाहिए। भाजपा नेता ने कहा कि सभी मिलकर 31 मार्च की समयसीमा को बढ़ाकर अप्रैल या मई करने की मांग कर सकते हैं और उम्मीद है कि केंद्र सरकार इस तरह के अनुरोध पर विचार करेगी।

इससे पहले दिन में, मंत्री राजन ने कहा कि ऋण से जुड़ी शर्तें दर्शाती हैं कि वायनाड और केरल में भूस्खलन पीड़ितों के प्रति केंद्र सरकार के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। त्रिशूर में राजन ने संवाददाताओं से कहा कि केरल को बिना शर्त वित्तीय सहायता देने के बजाय केंद्र ने केवल कड़ी शर्तों के साथ ऋण दिया जिसमें 31 मार्च तक पूरी राशि का उपयोग करना भी शामिल है। मंत्री ने कहा, ऋण की शर्तें भयावह हैं। राज्य को अगले 45 दिन के भीतर यानी 31 मार्च तक पूरी राशि का उपयोग करने का निर्देश देना एक भद्दा मजाक है। इस बीच, वायनाड में एक टीवी चैनल से बात करते हुए आपदा प्रभावितों में से कुछ ने कहा कि वे इस घटनाक्रम से हताश हैं और कहा कि केंद्र और राज्य उन्हें गेंद की तरह एक पाले से दूसरे पाले में फेंक रहे हैं।

उन्होंने कहा, जब प्रधानमंत्री यहां आए और पुनर्वास कार्य के लिए हरसंभव मदद का वादा किया तो हमें बड़ी उम्मीदें थीं। लेकिन केंद्र सरकार ने राज्य को केवल ऋण दिया है। हमारे पास विरोध प्रदर्शन और आंदोलन करने के अलावा कोई रास्ता नहीं रह गया है। शुक्रवार को, राज्य के वित्त मंत्री के.एन. बालगोपाल ने 31 मार्च तक राशि का उपयोग करने की शर्त को अव्यावहारिक बताया।

अगर पन्नीरसेल्वम चाहते हैं कि अन्नाद्रमुक मजबूत हो तो उन्हें अदालत नहीं जाना चाहिए : पार्टी नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता वी वी राजन चेल्लप्पा ने कहा है कि अगर पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पन्नीरसेल्वम चाहते हैं कि पार्टी मजबूत हो तो उन्हें अगले छह महीने तक चुप रहना चाहिए और दल के आंतरिक मामलों को लेकर अदालतों का रुख करने से बचना चाहिए। थिरुपरनकुंद्रम से विधायक चेल्लप्पा पार्टी के आयोजन संबंधी सचिवों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि पन्नीरसेल्वम को अन्नाद्रमुक के लिए कोई बाधा पैदा नहीं करनी चाहिए। चेल्लप्पा ने कहा, तभी, हम अपने महासचिव ई. के. पलानीस्वामी से बात करेंगे और उनके पार्टी में शामिल होने के लिए कदम उठाएंगे। वह लगातार मुकदमे दायर करके और पार्टी की एकता के बारे में बात करके अन्नाद्रमुक के लिए विभिन्न बाधाएं पैदा कर रहे हैं।

पार्टी महासचिव जे. जयललिता के निधन के बाद ई. के पलानीस्वामी के साथ पार्टी के 'समन्वयक' बने पन्नीरसेल्वम को 2022 में अकेले पलामीस्वामी को पार्टी प्रमुख बनाए जाने का विरोध करने पर निष्कासित कर दिया गया था। हाल ही में, पन्नीरसेल्वम ने कहा था कि वह अन्नाद्रमुक में लौटने के इच्छुक हैं, लेकिन पार्टी में सर्वोच्च पद महासचिव का चुनाव कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाए।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए चेल्लप्पा ने पन्नीरसेल्वम के दृष्टिकोण की आलोचना की। उन्होंने कहा, वरिष्ठ नेताओं के लिए इस तरह का व्यवहार करना ठीक नहीं है। मदुरै में पत्रकारों से चेलप्पा ने कहा कि 2026 में अन्नाद्रमुक का भविष्य उज्ज्वल है और जब पार्टी में दोहरा नेतृत्व (पलानीस्वामी और पन्नीरसेल्वम) था, तब उसने जीत दर्ज नहीं की थी। उन्होंने कहा, लेकिन अब, एकल नेतृत्व में, हमने नयी ऊंचाइयों तक पहुंचने और 2026 का विधानसभा चुनाव जीतने के लिए अपनी यात्रा शुरू कर दी है।

विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति के बावजूद समाज में वैज्ञानिक सोच विकसित नहीं हो रही : विजयन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने शनिवार को कहा कि विज्ञान के क्षेत्र में प्रगति और सरकार के हस्तक्षेप के बावजूद समाज में वैज्ञानिक सोच विकसित नहीं हो रही है, क्योंकि नर बलि और अंधविश्वास बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नर बलि जैसे कृत्य के पीछे जो अंधविश्वास है वह इसलिए बढ़ रहा है कि लोग समाज में वैज्ञानिक ज्ञान के प्रसार के प्रति गंभीर नहीं हैं। उन्होंने विज्ञान को लोकप्रिय बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि विज्ञान को लोकप्रिय बनाना समाज में वैज्ञानिक सोच पैदा करने का सबसे प्रभावकारी तरीका है। विजयन ने यहां जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन केंद्र (सीडब्ल्यूआरडीएम) में विभिन्न परियोजनाओं और वैज्ञानिक सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद कहा कि वैज्ञानिक ज्ञान का इस तरह प्रसार करना चाहिए कि इससे सभी को लाभ हो। साथ ही, वर्तमान समय में विज्ञान को लोकप्रिय बनाने की आवश्यकता है।

वी.डी. सतीशन ने शशि थरूर के आलेख पर सवाल उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम। केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी. डी. सतीशन ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर के हाल ही में एक अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित उस आलेख पर शनिवार को सवाल उठाया, जिसमें वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार के कार्यकाल के दौरान राज्य में उद्यमशीलता के विकास की सराहना की गई है।

थरूर ने अपने आलेख में यह भी कहा था कि केरल भारत के प्रौद्योगिकीय और उद्यमशीलता परिवर्तन का नेतृत्व करते रहने के

लिए अच्छी स्थिति में है। शनिवार को यहां पेरिंथलमन्ना में पत्रकारों से बात करते हुए सतीशन ने कहा कि न तो वह और न ही पार्टी (कांग्रेस) जानती है कि उन्होंने (थरूर) किन परिस्थितियों या आंकड़ों के आधार पर आलेख लिखा गया था। उन्होंने कहा, पार्टी उन परिस्थितियों या आंकड़ों की पड़ताल कर सकती है, जिनके आधार पर उन्होंने यह आलेख लिखा है। केरल में औद्योगिक क्षेत्र के बारे में थरूर द्वारा कही गई बातों को खारिज करते हुए सतीशन ने दावा किया कि राज्य में अच्छा औद्योगिक माहौल नहीं है। उन्होंने कहा, इसमें सुधार की जरूरत है। हम चाहते हैं कि इसमें सुधार हो। दूसरी ओर, केरल के उद्योग मंत्री पी राजीव ने थरूर के आलेख का समर्थन करते हुए कहा कि कांग्रेस सांसद हमेशा तथ्यों के आधार पर बात करते हैं। राजीव ने कहा कि कांग्रेस सांसद ने पूरे राज्य की प्रशंसा की है, न कि केवल वामपंथी सरकार या मुख्यमंत्री की। उन्होंने कहा, विपक्ष भी उस प्रशंसा का हिस्सा होने का दावा कर सकता है, क्योंकि उनके निर्वाचन क्षेत्रों में बहुत सारे विकास और उद्यमशीलता के काम हुए हैं।

केरल: आईएएस अधिकारी ने अपने खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई में पक्षपात का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। निलंबित आईएएस अधिकारी एन. प्रशांत ने केरल के मुख्य सचिव शारदा मुरलीधरन को पत्र लिखकर उनके खिलाफ शुरू की गई अनुशासनात्मक कार्यवाही में पक्षपात का आरोप लगाया है। प्रशांत ने पत्र में दावा किया कि मुख्य सचिव ने मामले को निष्पक्ष रूप से नहीं संभाला। उन्होंने मुख्य सचिव से उनके खिलाफ आरोप वापस लेने का आग्रह किया है।

प्रशांत को सोशल मीडिया पर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी ए. जयतिलक की आलोचना करने के लिए निलंबित कर दिया गया था।

एक अन्य आईएएस अधिकारी के. गोपालकृष्णन को सरकारी अधिकारियों के लिए धर्म-आधारित व्हाट्सएप ग्रुप बनाने के आरोप में निलंबित कर दिया गया था।

दोनों को पिछले साल 11 नवंबर को निलंबित किया गया था। जनवरी में केरल सरकार ने गोपालकृष्णन को बहाल कर दिया था, लेकिन प्रशांत का निलंबन 120 दिन के लिए बढ़ा दिया। दस फरवरी को लिखे पत्र में प्रशांत ने आरोप लगाया कि 14 नवंबर, 2024 को जयतिलक के खिलाफ उनके द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत की कभी जांच नहीं की गई।

तमिलनाडु में वैध दस्तावेजों के अभाव में 15 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया

इरोड। तमिलनाडु के इरोड जिले में दो महिलाओं समेत 15 बांग्लादेशी नागरिकों को बिना उचित दस्तावेजों के यहां रहने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक पणिक्कम्पालयम, मेट्टुकादाई और पेरुंदुरई में छापेमारी की गई, जहां ऐसी रिपोर्ट मिली थी कि विदेशी नागरिक बिना वैध दस्तावेजों के निजी फर्मों में रह रहे हैं और काम कर रहे हैं। पुलिस को शुक्रवार रात को अपने छापेमारी अभियान के दौरान पता चला कि 15 लोग विभिन्न निजी कंपनियों में और राजमिस्त्री के रूप में काम करते थे।

उन्होंने बताया कि जब उनसे पासपोर्ट और वीजा सहित वैध यात्रा दस्तावेज दिखाने के लिए कहा गया तो कोई भी ऐसा नहीं कर सका। फिलहाल हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है, हालांकि अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस ने बताया कि औद्योगिक केंद्र पेरुंदुरई में बड़ी संख्या में अवैध बांग्लादेशी कामगार रहते हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही और छापेमारी की जाएगी।

कन्नूर में एक स्कूल के तीन छात्रों को जूनियर की रैगिंग लेने पर गिरफ्तार किया गया

कन्नूर। केरल के एक सरकारी सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 12वीं के तीन छात्रों को रैगिंग के तहत एक जूनियर छात्र पर हमला करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, पांच छात्रों ने 12 फरवरी को वरिष्ठ छात्रों का सम्मान न करने और उनके 'आदेशों' का पालन न करने पर एक जूनियर छात्र पर कथित रूप से हमला किया था। कोलावल्लूर पुलिस ने बताया कि पांच छात्रों के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज किया गया है और इनमें से तीन छात्रों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि स्कूल प्रशासन द्वारा शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस केरल रैगिंग निषेध अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। स्कूल में हुई इस घटना में 11वीं कक्षा के 17 वर्षीय एक छात्र के हाथ में 'फ्रैक्चर' हो गया और उसका इलाज किया जा रहा है।

स्कूल प्रशासन द्वारा घटना की जांच शुरू किए जाने के बाद आरोपियों को निलंबित कर दिया गया। यह मामला कोट्टायम के सरकारी नर्सिंग कॉलेज में एक जूनियर छात्र की रैगिंग करने के आरोप में पांच छात्रों की गिरफ्तारी के एक दिन बाद प्रकाश में आया।

तमिलनाडु : दो युवकों की हत्या के तीन आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मयिलादुथुराई। तमिलनाडु के मयिलादुथुराई में पूर्व रंजिश के चलते कथित तौर पर एक कॉलेज छात्र सहित दो युवकों की हत्या के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित के दोस्त पर उसी गांव के तीन लोगों ने हमला किया था और वे उसे बचाने गए थे। इनमें से एक के पेट में चोट लगी, जबकि दूसरे की पीठ पर चोट लगी। पुलिस ने बताया कि अस्पताल ले जाते समय दोनों की मौत हो गई और घायल तीसरे युवक का इलाज जारी है।

जिला पुलिस अधीक्षक की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है, गिरफ्तार किए गए तीन लोगों ने पूर्व रंजिश के कारण दिनेश नामक युवक पर हमला किया था और शराब की बिक्री को लेकर कोई विवाद नहीं था, जैसा कि मीडिया के एक वर्ग में अटकलें लगाई जा रही हैं। इस दोहरे हत्याकांड पर कड़ी आपत्ति जताते हुए अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी ने मुख्यमंत्री एम के स्टालिन से हत्या के कारणों की जांच के आदेश देने और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। पलानीस्वामी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं श्री एमके स्टालिन से अनुरोध करता हूं कि वह खुद को बढ़ावा देने के बजाय सार्वजनिक सेवा पर ध्यान केंद्रित करें। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने कहा कि मुत्तम गांव में शराब की बिक्री रोकने की कोशिश करने पर शराब व्यापारियों द्वारा एक इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्र सहित दो युवकों की हत्या से गहरा सदमा लगा है। अन्नामलाई ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में पूछा, मैं उनके परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। पूरे तमिलनाडु में अवैध शराब का कारोबार बड़े पैमाने पर चल रहा है। क्या यह संभव है कि संबंधित इलाकों की पुलिस को इसकी जानकारी नहीं है?

नर्सिंग कॉलेज रैगिंग मामला

केरल में प्राचार्य और सहायक प्रोफेसर निलंबित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोट्टायम। केरल में कोट्टायम स्थित सरकारी नर्सिंग कॉलेज के प्राचार्य और एक सहायक प्रोफेसर को छात्रावास में रैगिंग की घटना के सिलसिले में निलंबित कर दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्री के कार्यालय द्वारा शुक्रवार देर रात जारी एक बयान में कहा गया कि कॉलेज की प्राचार्य सुलेखा ए टी और सहायक प्रोफेसर/सहायक वार्डन प्रभारी अजेश पी मणि को रैगिंग रोकने में विफल रहने के आरोप में जांच लंबित रहने तक निलंबित कर दिया गया है। इसमें कहा गया कि छात्रावास के हाउसकीपर-सह-सुरक्षाकर्मी को भी तत्काल हटाने का आदेश दिया गया है।

बयान में कहा गया कि स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज के निर्देशानुसार चिकित्सा शिक्षा निदेशक द्वारा की गई जांच के बाद यह कार्रवाई की गई है। कॉलेज में एक जूनियर छात्र की रैगिंग के विचलित करने वाले वीडियो बृहस्पतिवार को सामने आए, जिनमें छात्र को एक खाट से बांधे और वरिष्ठ छात्रों द्वारा बार-बार उसे कंपास चुभोते हुए देखा गया। गांधीनगर पुलिस को जो फुटेज मिली हैं उनके अनुसार छात्र के आधे कपड़े उतार दिए गए और उसके साथ भयानक कृत्य किए गए, जिसमें उसे खाट से बांधने के बाद उसके गुप्तांगों पर डंबल रखने और चेहरे पर लगाने वाली क्रीम उसके मुंह के अंदर डाले जाने जैसे कृत्य शामिल हैं।

रैगिंग की यह घटना लड़कों के छात्रावास में हुई, जिसमें प्रथम वर्ष के नर्सिंग छात्रों को निशाना बनाया गया। मामले में तीसरे वर्ष के पांच छात्रों सैमुअल जॉनसन (20), राहुल राज (22), जीव (18), रिजिल जीत (20) और विवेक (21) को गिरफ्तार किया गया है। सरकारी मेडिकल कॉलेज के अंतर्गत संचालित नर्सिंग कॉलेज में पिछले तीन महीने से रैगिंग की जा रही थी। इसकी शिकायत मिलने के बाद रैगिंग निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपी छात्रों को गिरफ्तार कर लिया गया। कांग्रेस नीत विपक्षी दल यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) ने शुक्रवार को दावा किया कि कोट्टायम सरकारी नर्सिंग कॉलेज रैगिंग मामले के आरोपियों का संबंध वामपंथी छात्र संगठन एसएफआई से है।

केरल फिल्म निर्माता संघ में कोई मतभेद नहीं: कोषाध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। एक जून से शुरू होने वाली फिल्म हड़ताल को लेकर केरल फिल्म निर्माता संघ (केएफपीए) में दरार की खबरों के बीच निर्माता लिस्टिन स्टीफन ने शनिवार को संगठन के भीतर मतभेद के दावों को खारिज कर दिया।

केएफपीए के कोषाध्यक्ष लिस्टिन स्टीफन ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि संघ ने फैसला किया है कि फिल्मी सितारों को अपना पारिश्रमिक कम करना चाहिए।

उन्होंने कहा, इस बात पर भी सहमति बनी है कि पांच लाख रुपये से अधिक कमाने वाले अभिनेताओं को उनका भुगतान चरणों में मिलेगा। स्टीफन ने कहा कि एएमएमए सदस्यों ने जवाब दिया कि वे आम सभा की बैठक बुलाए बिना इस निर्णय पर सहमत नहीं हो सकते। बैठक के दौरान पारिश्रमिक मुद्दों के अलावा फिल्मों पर अत्यधिक कर बोझ पर भी चर्चा की गई।

केरल में चलती कार पर जंगली हाथी के हमले में पर्यटक सुरक्षित बचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इडुक्की। केरल के पर्यटक स्थल एवं पर्वतीय क्षेत्र मुन्नार में शनिवार को एक जंगली हाथी ने पर्यटकों को ले जा रही एक चलती कार पर हमला कर दिया किंतु इसमें सवार लोगों का समूह चमत्कारिक रूप से बच गया। वन विभाग के सूत्रों के अनुसार, यह घटना मुन्नार-देवीकुलम रोड पर सिग्नल प्वाइंट के पास हुई।

स्थानीय लोगों के अनुसार, हाथी ने अचानक चलती कार पर हमला कर उसे लात मारी और वाहन को पलट दिया। हालांकि, उस कार में सवार तीन पर्यटक व चालक चमत्कारिक रूप से सुरक्षित बच गए। बाद में वन्यजीव विभाग की त्वरित प्रतिक्रिया दल (आरआरटी) ने जंगली हाथी को जंगल में वापस भगा दिया।

कार चालक ने मीडिया को बताया, मैंने वाहन को विपरीत दिशा में मोड़ने की कोशिश की, लेकिन हाथी ने गाड़ी पर लात मार दी। टेलीविजन पर दिखाई गई तस्वीरों में क्षतिग्रस्त कार के पास खड़े पर्यटक स्पष्ट रूप से घबराए हुए दिखाई दे रहे।

हाथी के हमले में कार के एक तरफ के दरवाजे, खिड़कियां और शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। वन अधिकारी के अनुसार, कथित तौर पर पर्यटक के मुन्नार से थेक्कडी जाने के क्रम में यह घटना हुई।

उन्होंने बताया, ऐसा माना जा रहा है कि यात्री विदेशी पर्यटक थे, लेकिन हम अभी इसकी पुष्टि नहीं करते हैं। सौभाग्य से, उन्हें कोई चोट नहीं आई, हालांकि वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। हाथी को त्वरित प्रतिक्रिया दल (आरआरटी) कर्मियों द्वारा वापस जंगल में भगा दिया गया।

केरल सरकार हाथियों के उत्पात से तीन लोगों की मौत के बाद कानूनी कार्रवाई करेगी

कोझिकोड। केरल के वन मंत्री ए के ससीन्द्रन ने शनिवार को एक स्थानीय मंदिर का दौरा किया, जहां हाल में हाथियों के उत्पात के कारण तीन लोगों की मौत हो गई थी। उन्होंने घोषणा की कि सरकार ने घटना से संबंधित विभिन्न मानदंडों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। कोयिलेंडी के निकट मनाकुलंगरा मंदिर में बृहस्पतिवार शाम उत्सव के दौरान पटाखे फोड़ने के बाद दो हाथियों के उग्र हो जाने से मची भगदड़ में दो महिलाओं सहित तीन बुजुर्गों की मौत हो गई।

मंत्री ने कहा कि वन विभाग, जिला प्रशासन और पुलिस के अधिकारी त्रासदी के तुरंत बाद घटनास्थल पर पहुंचे, आवश्यक जांच की और शुक्रवार को सरकार को रिपोर्ट सौंप दी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, इन रिपोर्टों में हमने देखा है कि संबंधित व्यक्ति जंजीर से बांधकर रखे जाने वाले हाथियों के (प्रबंधन और रखरखाव) नियमों का पालन करने में विफल रहे। जिला प्रशासन ने इस बात पर चिंता जताई है कि त्योहार के दौरान पटाखे फोड़ते समय पर्याप्त सावधानी बरती गई थी या नहीं। ससीन्द्रन ने कहा कि इन निष्कर्षों के आधार पर सरकार ने कानूनी कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। शुक्रवार को मंत्री ने कहा कि त्योहार के दौरान पटाखे लापरवाही से फोड़े गए और हाथियों के पैर खुले पाए गए, जो जंजीर से बांधकर रखे गए हाथियों के (प्रबंधन और रखरखाव) नियमों का उल्लंघन है। उन्होंने यह भी कहा कि हाथियों के मालिकों और मंदिर प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के प्रयास जरूरी : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कृषि शिक्षा के अंतर्गत प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन दिए जाने की आवश्यकता प्रतिपादित करते हुए कहा है कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत प्राकृतिक खेती के पाठ्यक्रम बनाकर उन्हें लागू किए जाने चाहिए। इसके साथ ही प्रसार शिक्षा के अंतर्गत भी प्राकृतिक खेती के प्रोत्साहन के लिए खेत-खेत में प्रचार किया जाना चाहिए। राज्यपाल बागड़े ने यह बात शनिवार को जोधपुर में कृषि विश्वविद्यालय के छठे दीक्षांत समारोह में संबोधित करते हुए कही। राज्यपाल ने इस दौरान उपाधियां एवं स्वर्ण पदक प्रदान किए। पूर्व कुलपति डॉ. जे.एस. संधु को डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि राज्यपाल ने डॉ जे.एस. संधु, पूर्व कुलपति कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर को डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि प्रदान की। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन किया। इनमें पोस्ट ग्रेजुएट एंड पीएचडी स्टडी रेगुलेशन, सेलेबस पोस्ट ग्रेजुएट एंड पीएचडी प्रोग्राम तथा कोर्स करिकुलम, बी.टैक. एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग शामिल हैं।

दीक्षान्त समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल बागड़े ने कहा कि प्राकृतिक विषमताओं और जलवायु परिवर्तन के दौर में विभिन्न संकटों पर नियंत्रण के लिए देश भर में इस समय 'प्राकृतिक खेती' के लिए अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है। प्राकृतिक खेती और वृक्षारोपण जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से बचने का प्रभावी उपाय है। इसके लिए कृषि में सहनशील किस्मों और नई प्रौद्योगिकियों का विकास किया जाए। इन किस्मों के गुणवत्तायुक्त बीज की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, इससे न केवल क्षेत्र के किसान लाभान्वित होंगे अपितु राज्य में कृषि के विकास को भी नवीन गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि कम पानी में अच्छी फसल हमारी प्राथमिकता होना चाहिए। खेती को पानी की बहुत जरूरत रहती है। बारिश का पानी खेत में ही रहे, इसके लिए भी कृषि शिक्षा के अंतर्गत आप लोग प्रयास करें। पानी की बचत ही पानी का निर्माण करना है। राज्यपाल ने कृषि शिक्षा के अंतर्गत शिक्षण, अनुसंधान और प्रसार की दिशा में मौलिक दृष्टि रखते हुए कार्य करने पर जोर देते हुए कहा कि कृषि शिक्षा इस तरह की हो जिससे किसानों को सीधा खेत पर उसका लाभ मिल सके। इसी तरह स्थान विशेष की भौगोलिक स्थिति, जलवायु और जल उपलब्धता से जुड़े संदर्भों में कृषि विकास अनुसंधान के लिए कार्य हो। प्रसार शिक्षा का मूल आधार भी यह होना चाहिए कि जो कुछ कृषि विश्वविद्यालय शोध और शिक्षा के लिए नया करें, उसका लाभ सीधे खेतों तक पहुंचे। राज्यपाल ने मोटे अनाज के महत्व को देखते हुए अन्न के अधिकाधिक उपयोग एवं इसके महत्व के प्रचार-प्रसार की जरूरत बताई। उन्होंने युवा पीढ़ी को कृषि से जुड़े स्टार्टअप्स की ओर प्रेरित करने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि इससे कृषि के क्षेत्र में नवाचार, संसाधन प्रबंधन और उत्पादन को बढ़ावा देने में उनकी सहभागिता में अभिवृद्धि होगी। राज्यपाल ने विश्वविद्यालय में स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और निर्यात के नए अवसर प्रदान करने के लिए 'एक के.वी.के., एक उत्पाद' की पहल की सराहना की और कहा कि इस तरह की योजनाएं किसानों की आय बढ़ाने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभाएंगी।

दीक्षान्त समारोह से राज्यपाल बागड़े ने कृषि विश्वविद्यालय पहुंचकर सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस ऑन मिलेट्स डॉ बीआरसी एआरएस मण्डोर, कॉलेज ऑफ डेयरी एंड टेक्नोलॉजी संवत कुआं,बावड़ी जोधपुर, कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी एंड एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग संवत कुआं बावड़ी जोधपुर, बिल्डिंग एंड किसान होटल केवीके रायपुर (पाली), बिल्डिंग एंड किसान होटल, केवीके बामनवाड़ा जालौर, बॉयज हॉस्टल कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर नागौर, गर्ल्स हॉस्टल कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर नागौर, टिश्यू कल्चर लेब, एयू जोधपुर सहित विश्वविद्यालय की 8 विभिन्न ईकाइयों के भवनों का लोकार्पण किया।

सरकार ने राजस्थान, गुजरात में 14 परियोजनाओं को प्रभावित करने वाले 21 मुद्दों की समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने गुजरात और राजस्थान में 14 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को प्रभावित करने वाले 21 मुद्दों की समीक्षा की है। शनिवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। डीपीआईआईटी सचिव अमरदीप भाटिया की अध्यक्षता में हुई बैठक में केंद्रीय मंत्रालयों, राज्य सरकारों और परियोजना समर्थकों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में कहा गया कि बैठक परियोजना निगरानी समूह (पीएमजी) द्वारा सुगम अंतर-मंत्रालयी और राज्य समन्वय के माध्यम से मुद्दे के समाधान में तेजी लाने पर केंद्रित थी। बयान में कहा गया, बैठक में 14 महत्वपूर्ण परियोजनाओं से जुड़े 21 मुद्दों की समीक्षा की गई, जिनमें श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली चार परियोजनाएं शामिल हैं। इन सभी परियोजनाओं की कुल लागत 13,162 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके अलावा, 600 करोड़ रुपये मूल्य की एक निजी परियोजना से जुड़े सात मुद्दों की भी समीक्षा की गई।

इनमें से एक परियोजना गुजरात में खावड़ा अक्षय ऊर्जा पार्क भी शामिल है। डीपीआईआईटी ने कहा, एक बार चालू हो जाने पर, पार्क से सालाना लगभग 81 अरब यूनिट स्वच्छ बिजली पैदा होने की उम्मीद है, जिससे जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता काफी कम हो जाएगी। विभाग ने कहा कि कि रिलायंस जियो की 5जी/4जी विस्तार परियोजना की भी समीक्षा की गई। भाटिया ने संबंधित अधिकारियों से लंबित मुद्दों के समाधान में सक्रिय रुख अपनाने को कहा।

सिचाई के लिए अतिरिक्त पानी की मांग को लेकर किसानों ने राजमार्गों पर जाम लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जिंयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले सहित बीकानेर संभाग के किसानों ने फसलों की सिंचाई के लिए अतिरिक्त पानी की मांग को लेकर शनिवार को राजमार्गों पर जाम लगा कर विरोध प्रदर्शन किया। इंदिरा गांधी नहर में पानी छोड़ने की मांग को लेकर किसान अलग-अलग स्थानों पर धरने पर बैठे और सभाएं कीं। किसानों ने मांगें पूरी न होने तक विरोध-प्रदर्शन जारी रखने की चेतावनी दी है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि प्रशासन की ओर से सुरक्षा के सभी जरूरी कदम उठाए गए हैं और स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में किसानों ने रावला, घड़साना और जैतसर समेत कई स्थानों पर अवरोधक लगाकर राष्ट्रीय राजमार्ग-911 को जाम कर दिया है। किसानों ने 13 एमडी टोल नाका, रामसिंहपुर, सलेमपुरा, खाजूवाला समेत पांच स्थानों पर भी जाम लगाया गया है।

किसान नेता सत्यप्रकाश सिहाग ने आरोप लगाया, अनूपगढ़ शाखा में 2400 क्यूसेक पानी छोड़ा जाता है, लेकिन मुख्य अभियंता ने जानबूझकर कम पानी छोड़ा है। अगर सभी नहरों से पानी दो भागों में बांटकर पांच दिन तक पूरी क्षमता के हिसाब से हर किसान को दिया जाए तो कोई समस्या नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अगर जलदाय विभाग द्वारा टैंक भरने के नाम पर कोई अनियमितता हुई तो आंदोलन जारी रहेगा।

किसानों के आंदोलन को देखते हुए प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए चार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, 10 पुलिस उपाधीक्षक के साथ करीब 500 पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र कुमार ने बताया कि शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए वाटर कैनन और विशेष दंगा रोधी वाहन भी तैनात किए गए हैं। पुलिस उपमहानिरीक्षक गौरव यादव पूरी स्थिति पर नजर रख रहे हैं।

एक अन्य किसान नेता राजू जाट ने कहा, वर्ष 2012 और 2013 में किसानों ने सात दिनों तक सड़कें जाम की थीं। सरकार को तुरंत प्रभाव से 2400 क्यूसेक पानी छोड़ना चाहिए ताकि आंदोलन आगे न बढ़े। अमरजीत सिंह मेहरडा के नेतृत्व में सरकारी प्रतिनिधिमंडल और विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों के प्रतिनिधिमंडल के साथ सकारात्मक वार्ता हुई, लेकिन वे आम सहमति बनाने में विफल रहे, जिसके कारण आज किसानों ने राजमार्ग जाम कर दिया।

जयपुर में होगा आईफा 2025 का धमाल, माधुरी दीक्षित-कृति सेनन करेंगी परफॉर्म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर, । राजस्थान के जयपुर में आईफा का धमाल देखने को मिलेगा। मार्च में होने वाले इवेंट के सिल्वर जुबली में भारतीय सिनेमा के कई सितारे अपनी चमक बिखेरने को तैयार हैं। आईफा में माधुरी दीक्षित, कृति सेनन समेत अन्य सितारे प्रस्तुति देंगे।

आईफा के 25 साल पूरे होने के अवसर पर भव्य समारोह में भारतीय सिनेमा के कई सितारे शामिल होंगे।

इस सूची में आर. माधवन, यो यो हनी सिंह, अर्जुन कपूर, बोनी कपूर, बोमन ईरानी, रजत कपूर, मधुर भंडारकर, प्रिया मणि, रवि किशन, भूषण कुमार, गजराज राव, गुनीत मोंगा, किरण राव, शिल्पा राव, ज्योति देशपांडे, दीया मिर्जा, ईशा गुप्ता, कनिका ढिल्लों, राघव जुयाल, जायद खान, फरदीन खान, रणवीर शौरी समेत अन्य सितारों के नाम शामिल हैं।

माधुरी दीक्षित ने आईफा में प्रस्तुति देने के बारे में अपनी उत्सुकता व्यक्त करते हुए कहा, आईफा हमेशा से मेरे सफर का एक विशेष हिस्सा रहा है, जो वैश्विक मंच पर भारतीय सिनेमा के जादू का जश्न मनाता है। पिछले कुछ वर्षों में आईफा ने मुझे मेरे कुछ सबसे यादगार पल दिए हैं। चाहे दिल को छू लेने वाले प्रदर्शनों के माध्यम से हो या दुनिया भर के प्रशंसकों से जुड़ने के माध्यम से, इस वर्ष आईफा अपने सिल्वर जुबली का जश्न मना रहा है, तो मुझे गर्व हो रहा है।

उन्होंने आगे कहा, संस्कृति और विरासत से भरपूर राजस्थान के जयपुर में प्रस्तुति देना इस इवेंट को और भी यादगार बनाता है। कला, सिनेमा और दुनिया भर के दर्शकों को एकजुट करने वाले इस उत्सव का हिस्सा बनना सम्मान की बात है।

कृति सेनन भी जयपुर में आईफा में प्रस्तुति देंगी। सेनन ने उत्सुकता व्यक्त करते हुए कहा, आईफा की एनर्जी और भव्यता वास्तव में बेजोड़ है और मैं मंच पर कुछ कभी न भूल पाने वाले पल को लाने के लिए उत्साहित हूं! अपना पहला पुरस्कार पाने से लेकर आईफा के 25 साल पूरे होने का जश्न मनाने तक, यह शानदार रहा है। मैं सभी के प्यार के लिए बहुत आभारी हूं और जयपुर में अपने प्रशंसकों के साथ भारतीय सिनेमा के जादू का जश्न मनाने के लिए उत्साहित हूं! राजस्थान के जयपुर में 8-9 मार्च को अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार की 25वीं वर्षगांठ है।

सूचना सहायक भर्ती परीक्षा में विधिक बाधाओं का तुरंत निस्तारण करें चयन बोर्ड : राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के निर्देश पर विभाग की शासन सचिव अर्चना सिंह ने सूचना सहायक भर्ती परीक्षा 2023 के अंतर्गत 3415 अभ्यर्थियों की नियुक्ति के संबंध में दस्तावेज सत्यापन बाद किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष के साथ बैठक कर जोर दिया कि विधिक बाधाओं को दूर करने के हरसंभव प्रयास किए जाएं और पैरवी तुरंत प्रभाव से करें, क्योंकि देरी की वजह से प्रदेश के अभियार्थियों एवं विभाग का नुकसान हो रहा है।

बैठक में बताया गया कि कोर्ट ने भर्ती के अंतिम परिणाम जारी किए जाने पर रोक लगाई है। यह प्रकरण परीक्षा के प्रश्न से संबंधित है। राठौड़ ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के साथ समन्वय कर याचिका के शीघ्र निस्तारण के प्रयास किए जाएं। बैठक में जानकारी दी गई कि विभाग सभी उत्कृष्ट खिलाड़ियों एवं दिव्यांग श्रेणी के प्रमाण पत्र को अलग से स्केन कर प्रमाणीकरण के लिए संबंधित संघों, बोर्ड को भेज चुका है। साथ ही सभी अभ्यर्थियों के शैक्षणिक दस्तावेज भी अलग से स्केन कर प्रमाणीकरण के लिए संबंधित विश्वविद्यालयों को प्रेषित किए जा रहे हैं, जिनमें से कुछ के प्रत्युत्तर विभाग को प्राप्त हो चुके हैं। बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि सूचना सहायक भर्ती परीक्षा 2023 की विचारित सूची में विशेष योग्यजन वर्ग में चयनित अभ्यर्थियों की नि:शक्तता की जांच के लिए एसएमएस अस्पताल जयपुर की ओर से मेडिकल बोर्ड का गठन किया जा चुका है। 17 फरवरी से 7 मार्च तक निशक्तजन प्रमाणपत्र की जांच मेडिकल बोर्ड से किए जाने के आदेश जारी हो चुके है। सिंह ने निर्देश दिए कि प्रमाण पत्रों की जांच के लिए विश्वविद्यालयों, संस्थाओं एवं खेल संघों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क कर प्रमाणीकरण का कार्य शीघ्र करवाने का प्रयास किए जाए।

पंचायत राज उपचुनाव में जनता ने विकास की राजनीति पर लगाई मोहर : मदन राठौड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी के (भाजपा) प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा है कि राज्य की जनता ने पंचायती राज उपचुनावों में भाजपा पर विश्वास जताकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की विकास की राजनीति पर मोहर लगाने का कार्य किया है। राठौड़ ने पंचायती राज उप चुनाव परिणाम पर शनिवार को अपनी प्रतिक्रिया में यह बात कही।

उन्होंने कहा कि शर्मा ने राज्य की सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति प्रदान की है। ऐसे में पहले विधानसभा उपचुनाव फिर अब पंचायती राज उपचुनाव में जनता ने कांग्रेस को आईना दिखाने के साथ ही भाजपा पर अपना पूर्ण विश्वास जताया है।

उन्होंने कहा कि पंचायत समिति सदस्यों के 16 सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने छह सीटों पर जीत दर्ज करके और चार पर बढ़त बनाई है, वहीं जिला परिषद सदस्य उप चुनाव में भाजपा ने एक सीट पर बढ़त बनाते हुए तीन में से दो सीटें अपनी झोली में डाली। राठौड़ ने कहा कि पंचायत समिति सदस्य की 16 सीटों में से भाजपा प्रत्याशी ने वैर, भीनमाल, चितलवाना, कैरू, मकराना, राजसमंद, लक्ष्मणगढ़, धोद, अजीतगढ़ और बालोतरा सीट पर विजय प्राप्त की। इसमें से लक्ष्मणगढ़, धोद और भीनमाल सीट पर भाजपा प्रत्याशी निर्विरोध जीत गए।

जिला परिषद सदस्यों के उपचुनाव में तीन सीटों में से दो सीट बीकानेर और चित्तौड़गढ़ सीट पर भाजपा प्रत्याशी की विजय हुई। इसमें चित्तौड़गढ़ से भाजपा प्रत्याशी ने सर्वाधिक दो हजार से अधिक मतों के अंतर से जीत दर्ज की है।

सर्वाइकल कैंसर के लिए जन जागृति रैली का आयोजन

जयपुर। सार्थक मानव कुष्ठाश्रम एवं नारची के संयुक्त तत्वाधान में लेबेन ओहने लेप्रा, जर्मनी के सहयोग से संचालित किए जाने वाले नए प्रोजेक्ट सर्वाइकल कैंसर रोकथाम कार्यक्रम के लिए पीएम श्री राजकीय सीनियर उच्च माध्यमिक विद्यालय, जमवारामगढ़ प्रांगण में जन जागृति कार्यक्रम आयोजित किया गया । विद्यालय प्रांगण से जमवारामगढ़ कस्बे में जन जागृति रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एस्ट्रीड मुकली, अध्यक्ष, लेबेन ओहने लेप्रा, जर्मनी, विशिष्ट अतिथि क्रिस्टीन, डॉ वीणा आचार्य, डॉ दिनेश चंद्र मीणा, राजेंद्र प्रसाद उपस्थित थे।

डॉ वीणा आचार्य ने सार्थक मानव कुष्ठाश्रम द्वारा आरंभ की गई अभिनव पहल सर्वाइकल कैंसर मुक्त जमवारामगढ़, जयपुर के विषय में विस्तार से बताते हुए कहा कि संस्था का यह मिशन है कि क्षेत्र की सभी 9 से 26 साल की लड़कियों को नि:शुल्क एचपीवी वैक्सीन उपलब्ध करवाई जावे एवं 45 वर्ष तक की महिलाओं की स्क्रीनिंग की जावे। एस्ट्रीड मुकली ने अपने उद्बोधन में बताया कि उनकी संस्था लेबेन ओहने लेप्रा, जर्मनी सर्वाइकल कैंसर मुक्त जमवारामगढ़ अभियान के लिए हर संभव सहायता के लिए तैयार है। सुरेश कौल ने बताया कि सार्थक मानव कुष्ठाश्रम की टीम नि:शुल्क सर्वाइकल कैंसर मुक्त जमवारामगढ़ अभियान के लिए संकल्पित है।

आईफा के आयोजन से प्रदेश में पर्यटन के नए आयाम खुलेंगे : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आईफा अवार्ड-2025 के आयोजन से प्रदेश के पर्यटन की नई पहचान स्थापित होगी।

प्रदेश के नये पर्यटन स्थलों को विश्व स्तर पर पहचान मिलेगी। पारम्परिक क्षेत्रों के साथ नये क्षेत्रों में भी पर्यटन को बढ़ावा मिलने से रोजगार के नये अवसर सृजित होगे ओर सरकार के राजस्व में वृद्धि होगी। यह बात शनिवार को उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सिविल लाईन्स स्थित कार्यालय पर पत्रकारों के लिए आयोजित स्नेह भोज में कही।

उन्होंने कहा कि हर वर्ष आईफा की तरह बडे. आयोजन प्रदेश में आयोजित करवायें जायेगें ताकी प्रदेश के पर्यटन में बढोत्तरी हो और प्रदेश को अधिक से अधिक राजस्व प्राप्त हों। इस दोरान उन्होंने प्रिंट, इलेक्ट्रोनिक और सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स से जुडे. पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं की जानकारी आम जनता तक सही तरीके से पहुचाने में मीडिया की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है।

इस दोरान उन्होंने पत्रकारों से बजट सहित विभिन्न मुद्दो पर चर्चा की और उनके सुझाव लिए। उन्होंने पत्रकारों की समस्यायें भी सुनी और उनके सकारात्मक समाधान का आश्वासन भी दिया।

शिक्षा विभाग का प्रशासनिक अधिकारी रिश्वत राशि लेते गिरफ्तार

जयपुर। भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो के एक दल ने शनिवार को भरतपुर के जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय (प्रारंभिक शिक्षा) के प्रशासनिक अधिकारी को परिवादी से सात हजार रुपये की कथित रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो के महानिदेशक डॉ रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी चौकी धौलपुर को एक शिकायत मिली कि परिवादी के निजी स्कूल को शाला दर्पण पोर्टल पर अपडेट करने की एवज में आरोपी प्रशासनिक अधिकारी सुनील कुमार गोयल द्वारा दस हजार रुपये की रिश्वत की मांग कर परेशान किया रहा है। उन्होंने बताया कि गोयल को शनिवार को परिवादी से सात हजार रुपये की रिश्वत राशि लेते गिरफ्तार किया है।

लोकसभा अध्यक्ष और कई केंद्रीय मंत्रियों ने किया संगम में स्नान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेले में आम श्रद्धालुओं के साथ ही अतिविशिष्ट व्यक्तियों का आगमन और उनके संगम में स्नान करने का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में शनिवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, चिराग पासवान, जितेंद्र सिंह और हरदीप पुरी एवं गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शनिवार को त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। उन्होंने देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना भी की।

लोकसभा अध्यक्ष ने संवाददाताओं से कहा, महाकुंभ भारत की आध्यात्मिक आस्था का प्रतीक है। यह हमारी प्राचीन संस्कृति और धर्म का महोत्सव है। यहां संतों की वाणी, उनका प्रभाव और भक्तों की अपार श्रद्धा देखने को मिलती है। वहीं, संगम में डुबकी लगाने के बाद केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग

मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, यह सचमुच एक भावनात्मक क्षण है। महाकुंभ में आने का सौभाग्य मिलना एक आशीर्वाद जैसा है। संगम में स्नान करने आए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा, जिन्होंने भी महाकुंभ में संगम में स्नान किया, वे भाग्यशाली हैं। पचास करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का एक जगह स्नान करना अपने आप में एक कीर्तिमान है। यह सभी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में हो रहा है चाहे वह राम मंदिर हो, चाहे महाकुंभ हो या फिर चाहे धारा 370 का हटना हो।

महाकुंभ में डिजिटल खोया-पाया केंद्रों ने 20,000 से अधिक बिछड़े लोगों को उनके परिजनों से मिलवाया

महाकुंभ नगर (उप्र)/भाषा। महाकुंभ मेले में स्थापित डिजिटल खोया-पाया केंद्रों ने 20,000 से अधिक बिछड़े लोगों को उनके प्रियजनों से मिलाने में मदद की है। उत्तर प्रदेश सरकार ने शनिवार को यह जानकारी दी। मेला प्राधिकरण के मुताबिक, डिजिटल खोया पाया केंद्रों की मदद से महाकुंभ मेला शुरू होने के बाद से अब तक 20,144 बिछड़े श्रद्धालुओं को उनके परिजनों से मिलाने का कार्य किया गया है जिसमें बड़ी संख्या महिलाओं की रहीं। इसके अलावा, पुलिस ने देश के विभिन्न राज्यों और नेपाल से आए श्रद्धालुओं को उनके परिवारों से मिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अमृत स्नान पर्व मौनी अमावस्या के दौरान (28, 29 और 30 जनवरी) को भीड़ का प्रबंधन करते हुए डिजिटल खोया-पाया केंद्रों ने 8,725 बिछड़े लोगों को उनके परिजनों से मिलाया।

ममता बनर्जी सरकार महिलाओं के खिलाफ अत्याचार रोकने में विफल : मालवीय

कोलकाता/भाषा। भाजपा के नेता अमित मालवीय ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी नीत सरकार पर महिलाओं के खिलाफ हमलों और अत्याचारों को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने संदेशखालि और आरजी कर अस्पताल की घटनाओं का उदाहरण दिया। पत्रकारों ने जब उनसे राज्य सरकार द्वारा 2025-26 के बजट में महिलाओं के लिए अपनी प्रमुख 'लक्ष्मीर भंडार' वित्तीय सहायता योजना के तहत मासिक राशि में वृद्धि नहीं करने के बारे में पूछा तो भाजपा आईटी सेल प्रमुख ने सीधा जवाब नहीं दिया।

उन्होंने हमला तृणमूल सरकार के इस दावे के बीच विरोधाभास पर केंद्रित किया कि वह ऐसी परियोजनाओं के माध्यम से महिलाओं के हितों का समर्थन करती है, जबकि वह राज्य में महिलाओं के खिलाफ अत्याचार करने वालों को सहायता और बढ़ावा देती है। मालवीय ने कहा, जबकि मुख्यमंत्री महिलाओं के लिए अपनी सरकार की मासिक सहायता के बारे में सार्वजनिक रूप से शेखी बघारती हैं और उनके कल्याण के लिए चिंतित होने का दावा करती हैं, लेकिन जब संदेशखालि में यौन शोषण जैसी भयावह घटनाएं प्रकाश में आती हैं, तो वह दूसरी ओर देखती हैं।

प्रयागराज में बस और एसयूवी की टक्कर में 10 लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में यमुना नगर के मेजा थाना अंतर्गत प्रयागराज-मिर्जापुर राजमार्ग पर शुक्रवार देर रात एक बस और एक एसयूवी की आमने-सामने की टक्कर होने से एसयूवी में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस उपायुक्त (यमुना नगर) विवेक चंद्र यादव ने बताया कि शुक्रवार देर रात छत्तीसगढ़ के कोरबा से श्रद्धालु एसयूवी से महाकुंभ में स्नान करने आ रहे थे लेकिन तभी मेजा थाना अतंर्गत राजमार्ग पर प्रयागराज की तरफ से जा रही एक बस से उसकी आमने-सामने की टक्कर हो गई। उन्होंने कहा कि इस दुर्घटना में एसयूवी में सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई और बस में सवार लोगों को मामूली चोटें आई हैं। यादव ने बताया कि बस में भी श्रद्धालु ही सवार थे और वे मध्य प्रदेश के राजगढ़ जा रहे थे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुख प्रकट करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने प्रयागराज-मिर्जापुर राजमार्ग पर सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि पर गहरा दुःख प्रकट करते हुए शोकसंतप्त परिजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

उन्होंने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं।

महाकुंभ के भंडारण शिविर में लगी आग, कोई जनहानि नहीं

महाकुंभ नगर (उप्र)/भाषा। महाकुंभ नगर के सेक्टर-19 में शनिवार की शाम एक भंडारण शिविर में आग लग गई जिससे सात टेंट पूरी तरह जल गए। हालांकि, इस घटना में कोई जनहानि की सूचना नहीं है। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (कुंभ) प्रमोद शर्मा ने बताया कि शनिवार शाम सेक्टर-19 में एक भंडारण शिविर में आग लग गई जिससे आग की चपेट में आकर सात टेंट जल गए। आग लगने की सूचना मिलते ही दो मिनट में अग्निशमन विभाग की मोटरसाइकिलें पहुंच गईं जिसके तुरंत बाद चार गाड़ियां भी पहुंचीं। उन्होंने बताया कि पांच मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। आग की इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना के समय भंडारण शिविर के लोग मेले से वापसी की तैयारी कर रहे थे। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

सपा प्रमुख ने सरकार से किया महाकुंभ मेले की अवधि बढ़ाने का आग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को उत्तर प्रदेश सरकार से प्रयागराज में आयोजित किए जा रहे महाकुंभ मेले की अवधि बढ़ाने का आग्रह किया।

यादव ने लखनऊ में पार्टी कार्यालय में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोग आंकड़ों में भी लगातार झूठ बोलते हैं। हमारी जानकारी के अनुसार, अब तक 60 करोड़ लोग महाकुंभ में स्नान कर चुके हैं, लेकिन सरकार इसका खुलासा नहीं कर रही है। उन्होंने दावा किया, सरकार जानबूझकर कम आंकड़े बता रही है, ताकि कल अगर कोई प्रशासनिक या प्रबंधन पर अध्ययन करना चाहे तो कहीं उनकी विफलता, उनके कुप्रबंधन के बारे में जानकारी न मिल जाए। महाकुंभ

की अवधि बढ़ाने की मांग करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, हम सरकार से अपील करते हैं कि कई बुजुर्ग जो 65 साल से ज्यादा उम्र के हैं वे संगम में स्नान नहीं कर पाए हैं। वे स्नान करना चाहते हैं और आध्यात्मिक कार्यक्रमों में भाग लेना चाहते हैं। गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती नदियों के संगम पर आयोजित महाकुंभ 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा के अवसर पर पहले बड़े स्नान के साथ शुरू हुआ था और 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के अवसर पर समाप्त होगा। सरकार के डिजिटल महाकुंभ के दावों पर निशाना साधते हुए सपा प्रमुख ने कहा, सरकार ने कहा कि उसने ड्रोन तैनात किए हुए हैं और ड्रोन की मदद से कई कार्यक्रम आयोजित किए, लेकिन ड्रोन का इस्तेमाल वहां नहीं किया गया जहां होना चाहिए था। सरकार ने डिजिटल कुंभ की बात की, लेकिन अब तक संख्या नहीं बता सकी।

सपा प्रमुख ने पुलिस की कमिश्नर प्रणाली की कथित विफलता का जिक्र करते हुए कहा, कमिश्नरी प्रणाली (पुलिस की) की सबसे बड़ी विफलता तो प्रयागराज में देखी गई है। क्या कोई भूल सकता है कि देश और दुनिया में उत्तर प्रदेश ने कितनी बदनामी कमायी है? प्रयागराज और उसके आसपास 300 किलोमीटर लंबा जाम लगा।

यादव ने कहा, ये (भाजपा) वही लोग हैं जो कह रहे हैं कि हम विकसित भारत का सपना देख रहे हैं। इस आयोजन ने उनके विकसित भारत के दावों और उनके द्वारा बनाए जा रहे बुनियादी ढांचे की पोल खोल दी है। और ये लोग अपनी पोल खुलने से डर रहे हैं तथा मीडिया सेल पर हमला कर रहे हैं।

ड्रोन की 'क्रांति' को समझने में असफल रहे प्रधानमंत्री : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने वर्तमान समय में युद्ध क्षेत्र और अन्य जगहों पर ड्रोन की उपयोगिता का उल्लेख करते हुए शनिवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इसकी क्रांति को समझने में असफल रहे हैं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने ड्रोन और उससे जुड़ी प्रौद्योगिकी को लेकर एक वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया। उन्होंने कहा, ड्रोन ने संचार के लिए बैटरी, मोटर और 'ऑप्टिक्स' के संयोजन से युद्ध के क्षेत्र में क्रांति ला दी है। ड्रोन सिर्फ प्रौद्योगिकी नहीं हैं, बल्कि वे एक मजबूत औद्योगिक

प्रणाली द्वारा संचालित निचले स्तर के नवाचार हैं। उन्होंने युद्ध क्षेत्र को ही बदल दिया है। टैंक, तोपखाने और यहां तक कि विमान वाहक को कम प्रासंगिक बना दिया है। गांधी ने कहा कि यह क्रांति सिर्फ युद्ध के बारे में नहीं है - यह उद्योग, एआई (कृत्रिम मेधा) और प्रौद्योगिकी की अगली पीढ़ी के बारे में है। उन्होंने कहा, दुर्भाग्य से, प्रधानमंत्री मोदी इसे समझने में असफल रहे हैं। जबकि वह एआई पर 'टेलीप्रॉम्प्टर' (की मदद से) भाषण देते हैं। हमारे प्रतिस्पर्धी नई प्रौद्योगिकियों में महारत हासिल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि असली शक्ति सिर्फ ड्रोन बनाने में नहीं है, बल्कि 'इलेक्ट्रिक' मोटर, बैटरी, ऑप्टिक्स' और उत्पादन नेटवर्क को नियंत्रित करने में भी है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा, यदि हम उत्पादन को नियंत्रित नहीं करते हैं तो हम एआई या प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नेतृत्व नहीं कर सकते। राहुल गांधी ने कहा, भारत के पास अपार प्रतिभा और प्रेरणा है लेकिन हमें खोखले शब्दों से कहीं अधिक की आवश्यकता है। हमें एक स्पष्ट दृष्टिकोण और वास्तविक औद्योगिक कौशल की आवश्यकता है। उन्होंने जोर देकर कहा, भारत के युवाओं के लिए आगे आने और यह सुनिश्चित करने का समय है कि भारत पीछे न छूटे।

'रत्न भंडार' की मरम्मत के बाद यहां रखीं कीमती सामानों की सूची बनाई जाएगी: ओडिशा मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने राज्य विधानसभा में शनिवार को बताया कि पुरी के जगन्नाथ मंदिर के 'रत्न भंडार' में जारी मरम्मत कार्य के पूरा होने पर उसके कीमती सामानों की सूची बनाई जाएगी। बीजू जनता दल (बीजद) के विधायक तुषारकांति बेहरा के एक सवाल के लिखित उत्तर में उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित दिशा-निर्देशों के तहत 'रत्न भंडार' 14 जुलाई, 2024 को खोला गया था। उन्होंने बताया कि रत्न भंडार से आभूषणों को स्थानांतरित करने के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा इसकी मरम्मत की जा रही है। मंत्री ने बताया, मरम्मत का काम पूरा होने के बाद आभूषणों की सूची बनाई जाएगी। उसके बाद ही आभूषणों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा सकेगी। उन्होंने बताया कि 'रत्न भंडार' में संग्रहीत बहुमूल्य वस्तुओं की पिछली सूची साल 1978 में 13 मई से 23 जुलाई के बीच बनाई गई थी।

'एफ 35 विमान खरीदने को लेकर कोई एकतरफा फैसला नहीं होना चाहिए'

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि अमेरिका से एफ 35 लड़ाकू विमान खरीदने को लेकर सरकार की तरफ से कोई एकतरफा फैसला नहीं होना चाहिए। उन्होंने विमान से जुड़े कथित तकनीकी बिंदुओं का उल्लेख करते हुए सवाल किया कि क्या खरीददारी को लेकर वायु सेना से राय ली गई? प्रधानमंत्री के हालिया अमेरिकी दौरे के समय राष्ट्रपति ट्रंप ने साथ घोषणा की थी कि अमेरिका 'एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू जेट' विमान की संभावित आपूर्ति समेत भारत को सैन्य हार्डवेयर की बिक्री में वृद्धि करेगा। सुरजेवाला ने पोस्ट किया, प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका से एफ 35 लड़ाकू विमान खरीद रहे हैं। पर क्या ट्रंप के कहने पर एफ 35 विमान ख़रीदने का एकतरफा फैसला करने से पहले मोदी सरकार ने देश हित में कुछ पहलुओं पर विचार किया।

झूठ कुछ समय तक सच को ढक सकता है, लेकिन हमेशा के लिए नहीं: पटनायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा विधानसभा में विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने शनिवार को कहा कि झूठ कुछ समय तक सच को ढक सकता है, लेकिन हमेशा के लिए नहीं।

पटनायक ने स्थानीय टेलीविजन चैनल नंदीघोष टीवी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

पटनायक ने कहा झूठ कुछ समय के लिए सच को ढक सकता है, लेकिन हमेशा के लिए नहीं। इसलिए, मीडिया को सच्चाई का प्रकाश स्तंभ बनना चाहिए और दबावों व चुनौतियों के बावजूद आम आदमी की सफलताओं तथा दुश्वारियों को उजागर करना चाहिए।

मौजूदा दौर में युवाओं के बीच सोशल मीडिया के काफी लोकप्रिय होने का उल्लेख करते हुए पटनायक ने कहा कि हमें गलत सूचना और फर्जी खबरें फैलाने को लेकर इसके दुरुपयोग के प्रति सावधान रहना चाहिए।

वर्ष 2000 से 2024 तक ओडिशा के मुख्यमंत्री रहे पटनायक ने कहा कि मुख्यधारा के मीडिया को भी उभरती हुई प्रौद्योगिकी, विशेषकर कृत्रिम मेधा (एआई) के कारण चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार रहना चाहिए।

पटनायक ने कहा, इसलिए, तथ्यों की जांच करने, बेजुबानों की आवाज बनने और हमारे महान देश के सामाजिक-लोकतांत्रिक ताने-बाने को मजबूत करने की जिम्मेदारी मुख्यधारा के मीडिया की है।

निजी टेलीविजन चैनल 'नंदीघोष' के नाम का उल्लेख करते हुए पटनायक ने कहा कि इस शब्द का भगवान जगन्नाथ के लाखों भक्तों के साथ भावनात्मक जुड़ाव है। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ के रथ को 'नंदीघोष' के नाम से जाना जाता है। पटनायक ने कहा, नंदीघोष टीवी लोगों की आवाज बनेगा और ओडिशा की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मणिपुर के दो जिलों से नौ उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल/भाषा। सुरक्षाबलों ने इंफाल पूर्वी और थौबल जिलों से विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों के नौ उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि अपहरण और जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल प्रतिबंधित 'कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी' (नोयोन) के चार सक्रिय सदस्यों को शुक्रवार को थौबल जिले के चिंगडोमपोक इलाके से गिरफ्तार किया गया।

सुरक्षाबलों ने एक अन्य अभियान के तहत शुक्रवार को इंफाल पूर्वी जिले के खाबेइसोई क्षेत्र से जबरन वसूली गतिविधि में शामिल केसीपी के चार सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इंफाल पूर्वी जिले के नुंगोई अवांग लेईकाई इलाके से 'यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट' (पंबेई) के सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। इसने कहा, गिरफ्तार किया व्यक्ति इंफाल शहर एवं उसके आसपास हथियारों एवं गोला-बारूद लाने-ले जाने और जबरन वसूली की गतिविधियों में शामिल था। उसके पास से पिस्तौल जब्त की गई है। सुरक्षाबलों ने काकचिंग जिले के हियांगलाम नतेखोंग थोंगजिन में नदी के किनारे से दो 'सिंगल बैरल' बंदूक, एक 'स्नाइपर' राइफल, एक देसी पिस्तौल, पांच हथगोले, चार आईईडी, इंसास राइफल के कारतूस, नौ एमएम की एक पिस्तौल के साथ दो 'हैंडसेट' और एक चीन निर्मित ड्रोन बरामद किया।

हिमंत ने गौरव गोगोई, उनकी पत्नी और पाकिस्तानी सलाहकार के बीच संबंधों की 'सीमा' पर सवाल उठाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न के पाकिस्तान के साथ संबंधों पर एक बार फिर सवाल उठाते हुए शनिवार को आरोप लगाया कि ''प्रारंभ में यह नेटवर्क जितना सोचा गया था अब यह उससे कहीं अधिक अहम और गहरा नजर आ रहा है।

शर्मा ने पाकिस्तान योजना आयोग के सलाहकार और कोलबर्न के पूर्व सहयोगी अली तौकीर शेख द्वारा 'एक्स' पर किए गए पुराने पोस्ट के 'स्क्रीनशॉट' साझा किए और दावा किया कि गोगोई और

पाकिस्तानी नागरिक के बीच संबंध 'गहरे' प्रतीत होते हैं। शर्मा ने गोगोई की पत्नी पर पाकिस्तान और उसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई के साथ संबंध रखने का आरोप लगाया था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि गोगोई ने ब्रिटिश नागरिक से विवाह के बाद संसद में संवेदनशील रक्षा मामलों पर सवाल उठाए थे। हालांकि गोगोई ने इन्हें ''झूठा आरोप'' करार दिया था। शर्मा ने अपने नवीनतम आरोपों में 2019 में शेख द्वारा 'एक्स' पर किए गए एक पोस्ट का स्क्रीनशॉट साझा किया।

बांग्लादेशी नागरिकों के फर्जी आधारकार्ड बनाने के आरोप में दो भाई गिरफ्तार

गौतमबुद्ध नगर/भाषा। देश में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के फर्जी आधारकार्ड बनाने के आरोप में पुलिस ने शुक्रवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना सेक्टर 39 पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे आठ बांग्लादेशी नागरिकों को सलारपुर गांव के पास से बृहस्वतिवार को गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि सभी के पास फर्जी आधारकार्ड थे और पूछताछ के दौरान पता चला कि बांग्लादेश के रहने वाले लोगों के फर्जी आधारकार्ड सलारपुर के रोशन और नितेश ने अपने जनसुविधा केंद्र पर बनाए थे। जानकारी के आधार पर पुलिस ने शुक्रवार को दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों मूलरूप से बिहार के रहने वाले हैं।

भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई रवाना, रोहित और कोहली पर होगी नजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। सफेद टी-शर्ट और काली ट्रैक पहने रोहित शर्मा जब शनिवार को यहां चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई रवाना होने के लिए अपनी कार से उतरे तो छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के प्रवेश द्वार के पास इंतजार कर रहे प्रशंसकों ने जोर-जोर से रोहित भाई और रोहित सर कहकर उनका ध्यान अपनी तरफ खींचा। भारतीय कप्तान मुस्कुराते हुए प्रस्थान लाउंज में अपने साथियों की ओर बढ़े। मुख्य कोच

गौतम गंभीर, उप-कप्तान शुभमन गिल और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली सहित टीम के अधिकतर सदस्य टीम बस में हवाई अड्डे पहुंचे। इनमें से कुछ खिलाड़ियों ने कुछ प्रशंसकों को ऑटोग्राफ देकर या हाथ हिलाकर उनका आभार व्यक्त किया।

भारतीय टीम पिछले साल जून में टी20 विश्व कप जीतने के बाद एक और वैश्विक ट्रॉफी हासिल करने की उम्मीदों के बीच आगामी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए दुबई के लिए दोपहर की उड़ान में सवार हो गई। भारतीय टीम स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना चैंपियंस ट्रॉफी में खेलने के लिए गई है। बुमराह चोटिल होने के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे।

भारत लीग चरण में अपना पहला मैच 20 फरवरी को बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा जबकि 23 फरवरी को उसका सामना चिर प्रतिद्वंदी पाकिस्तान से होगा। भारत अपना आखिरी लीग मैच दो मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा। रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम ने हाल ही में अपनी घरेलू धरती पर इंग्लैंड के खिलाफ तीनों मैच जीते थे जिससे प्रशंसकों और टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है। मुंबई हवाई अड्डे पर इकट्ठे हुए समर्थक उम्मीद कर रहे होंगे कि रोहित और कोहली के नेतृत्व में ये दिग्गज एक और जीत हासिल करेंगे जैसा कि उन्होंने पिछले साल वेस्टइंडीज में किया था।

भारत को अगर चैंपियंस ट्रॉफी में टी20 विश्व कप की कहानी दोहरानी है तो उसके दोनों स्टार बल्लेबाज रोहित और कोहली को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। टेस्ट क्रिकेट में विफल रहने के कारण इन दोनों को हाल में आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा।

श्रेयस अय्यर: भारतीय मध्यक्रम का शांतचित्त योद्धा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। श्रेयस अय्यर भले ही स्टीव स्मिथ की तरह क्रीज पर अपनी सक्रियता के कारण कुछ अवसरों पर बेचैन नजर आते हों लेकिन परिस्थितियों के अनुसार बल्लेबाजी करने के कारण वह भारतीय मध्यक्रम के एक ऐसे शांतचित्त योद्धा हैं जो धैर्य और आक्रमण की सुंदर मिसाल पेश करते हैं।

अय्यर जरूरत पड़ने पर गेंदबाजों पर हावी होकर खेलने में सक्षम हैं तो वह परिस्थितियों के अनुसार पारी संवारना भी जानते हैं जिससे चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के कारण वह शीर्ष क्रम और निचले मध्यक्रम के बीच महत्वपूर्ण कड़ी बन जाते हैं। ऐसे में चैंपियंस ट्रॉफी में उनकी भूमिका बहुत अहम होगी। भारत को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में अलग-अलग तरह की चुनौतियों से निपटना होगा। जैसे कि बांग्लादेश और न्यूजीलैंड की स्पिन गेंदबाजी की तथा पाकिस्तान की तेज गेंदबाजी। इनसे निपटने के लिए भारत के पास

चौथे नंबर पर श्रेयस अय्यर के रूप में एक अदद बल्लेबाज है। अय्यर को बीच के ओवरों में स्पिनरों का सामना करना होगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलते समय उनका सामना मिशेल सेंटनर और माइकल ब्रेसवेल से होगा। बांग्लादेश के खिलाफ उनके सामने बाएं हाथ के स्पिनर महमूदुल्लाह की चुनौती होगी। श्रेयस का बाएं हाथ के स्पिनरों के सामने रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्होंने इस तरह के गेंदबाजों के खिलाफ 29 पारियों में 144 के शानदार औसत से 432 रन बनाए हैं और उनका नियंत्रण प्रतिशत 88.4 है। बाएं हाथ के स्पिनर उन्हें केवल तीन बार ही आउट कर पाए हैं।

सुविचार

महान दिमाग विचारों की चर्चा करता है, औसत दिमाग घटनाओं की चर्चा करता है और छोटा दिमाग लोगों कि चर्चा करता है

ट्वीट

भजनलाल सरकार ने अपने एक साल के कार्यकाल में जनहित को प्राथमिकता देते हुए संकल्प पत्र के 50% से अधिक वादों को पूरा किया है। रोजगार, भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर, और 35 लाख करोड़ से अधिक के निवेश समझौते सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

-मदन राठौड़

कलिंगा लिटरेचर फेस्टिवल बोर्ड के प्रतिनिधिमंडल से एक शानदार मुलाकात रही। कला-साहित्य के इन दिग्गजों पद्मविभूषण सुदर्शन साहू , अशोक बल , श्री उपेंद्रनाथ बेहरा और पीके दास का सम्मान और उनके साथ राजस्थानी स्वाद साझा करने के पल यादगार बन गए।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

कहानी

आप-बीती

मुंशी प्रेमचंद

साहित्यकारों की जिंदगी में एक ऐसा वक्त भी जरूर आता है, जब प्रशंसकों की तरफ से उन्हें ढेरों पत्र प्राप्त होते हैं और वो खुशी से झूम उठते हैं। यह एक ऐसा वक्त होता है जब लेखक अपनी सारी समस्याओं को भूल खुशी का अनुभव करता है। वो पत्रों के सागर में डूब जाता है और लहरों के साथ कल्पना के एक नए शिखर पर पहुंच जाता है। उस पल 'मैं भी कुछ हूं' यह महत्व महसूस होता है। कुछ ऐसा ही अनुभव मैंने सावन महीने में किया जब मुझे मेरी रचनाओं की प्रशंसाओं से भरा पत्र प्राप्त हुआ। इस पत्र में दिल खोलकर मेरी कृतियों की तारीफें की गई थी।

पत्र भेजने वाले खुद एक उत्तम कवि थे। उनकी कविताएं अक्सर पत्रिकाओं में छपती थीं। मैं उनका यह पत्र पढ़कर फूला नहीं समा रहा था। मैं खुशी के मारे उसी वक्त उस पत्र का जवाब लिखने बैठ गया था। उस उत्साह में मैंने जो कुछ भी पत्र में लिखा इस समय वो याद नहीं है। हां, इतना याद है कि उस पत्र में शुरू से अंत तक प्रेम भरे मीठे शब्द लिखे थे। हालांकि, मैं कभी कविता नहीं लिखता था, लेकिन फिर भी मैं शब्दों को जितना सुंदर बना सकता था, मैंने उतना संवार दिया था। यहां तक कि पत्र लिखने के बाद जब मैंने उसे फिर से पढ़ा तो मुझे कविता बहुत पसंद आई। पूरा पत्र भाव से भरपूर था।

पांचवे दिन उसी कवि का एक और पत्र मुझे मिला। वो पहले वाले पत्र के मुकाबले और ज्यादा प्रभावी था। उसमें मुझे प्यारे भाईया कहकर पुकारा गया था। साथ ही मेरी रचनाओं की एक सूची और प्रकाशकों के बारे में उनके नाम और पते पूछे गए थे। इसके साथ ही पत्र के अंत में ये भी कहा गया था कि मेरी पत्नी आपकी बहुत बड़ी प्रशंसक है और आपकी लेखन को पढ़ना पसंद करती है। साथ ही पत्र में यह भी लिखा गया था कि मेरी पत्नी पूछ रही थी कि आपकी शादी कहां हुई है, आपके बच्चे कितने हैं और आपकी कोई फोटो है, तो प्लीज भेज दीजिए। वहीं, पत्र में मेरे जन्म स्थान और वंश की भी जानकारी पूछी गई थी। पत्र के उसके अंतिम खबर ने मुझे खुश कर दिया था।

पहली बार ऐसा हुआ था जब किसी महिला ने अपने मुंह से मेरी तारीफ की थी और यह सुनने का मौका मुझे मिला था। यह सुनकर ऐसा लगा कि कोई मेरी बुरे कर्मों की तारीफ कर रहा है। उस दौरान तारीफ में जितने भी शब्द मुझे याद थे, उन सबको मैंने पत्र में लिख डाला और अपने परिवार और खानदान के विषय में ऐसा जिक्र किया कि जैसे किसी कवि ने भी कभी राजा का गुणगान नहीं किया हो। मेरे दादाजी एक जमींदार के यहां कर्मचारी थे, लेकिन उन्हें मैंने रियासत का प्रबंधक बताया था। वहीं, अपने क्लर्क पिता को मैंने दफ्तर का प्रधानाध्यक्ष बताया। पत्र में किसानी को जमींदारी बताया था।

इसके अलावा, अपने लेखन की गिनती को तो बढ़ा न सका, लेकिन उनके महत्व को बड़े अच्छे से समझा दिया था। देखा जाए, तो अपनी तारीफ करना एक सिरफिरापन है, लेकिन इशारों में यह काम आसानी से किया जा सकता है। खैर पत्र खत्म हो चुका था और लेटरबॉक्स में पहुंच चुका था। इसके बाद हफ्ते तक कोई भी पत्र नहीं आया। मैंने पत्र में अपने हिसाब से अपनी पत्नी की तरफ से भी कुछ बातें लिखी थीं। उम्मीद थी कि घनिष्ठता बढ़ेगी, लेकिन ऐसा लग रहा था कि कहीं वे मुझे मतलबी और सेंटिमेंटल न समझने लगा हो। इसलिए, कोई पत्र नहीं लिखा हो। आश्विन के महीने का तीसरा पहर था। हर तरफ रामलीला का उत्साह था। मैं भी अपने एक दोस्त के घर था, वहां ताश की बाजी चल रही थी। अचानक एक व्यक्ति वहां मेरे बारे में पूछते हुए व मेरा नाम लेते हुए वहां आया और मेरे बगल की कुर्सी पर आकर बैठ गया। मैं उसे नहीं जानता था। मैं सोच में था कि आखिर कौन है ये आदमी और यहां कैसे आया। मेरे दोस्त लोग भी उन महाशय को देखकर इशारेबाजी करने लगे थे। मैंने विनम्रता के साथ उस महाशय का नाम पूछा।

जवाब मिला- 'मेरा नाम उमापति नारायण है।' मैं जवाब सुनते ही खुश होकर उनके गले लग गया। यह कोई और नहीं, बल्कि वही कवि महोदय थे जिन्होंने मुझे पत्र भेजा था। मैंने उनसे उनका हाल-चाल पूछा। फिर पान और इलायची खिलाई और पूछा कि यहां कैसे आना हुआ। उन्होंने जवाब दिया, घर चलिए फिर विस्तार से बताउंगा। मैं आपके यहां से होकर आया हूं, वहां मुझे पता चला कि आप यहां हैं, तो मैं पूछता हुआ यहां आ गया। फिर मैं फौरन उनके साथ जाने के लिए तैयार हो गया। उनके कमरे से निकलते ही मेरे दोस्तों ने इशारे में मुझसे पूछा कि यह साहब कौन हैं? मैंने दोस्तों को बताया कि ये मेरे नये मित्र हैं।

मित्र ने कहा कि थोड़ा सावधान रहिएगा, मुझे ये थोड़े उचक्के लग रहे हैं। मैंने कहा, आपका यह अनुमान गलत है, आप आदमी को हमेशा उसके कपड़ों से जज करते हैं, लेकिन इंसान वस्त्रों में नहीं, बल्कि दिल में होता है। मित्र- खैर ये रहस्य की बात है, बाकी आप जानें मैं आपको बस सावधान कर रहा हूं। मैंने मित्र की बात पर कोई जवाब न दिया और और उमापति जी को लेकर अपने घर आ गया। मैंने उनके लिए बाजार से खाना मंगवाया। इस दौरान उन्होंने अपनी कई सारी कविताएं मुझे सुनाई। कविताएं सुनाते वक्त उनकी आवाज बहुत मनोहर और मीठी लग रही थी। हालांकि, कविताएं तो मुझे समझ नहीं आईं, लेकिन मैंने उनकी कविताओं की तारीफ के पुल बांध दिये। मैं खुशी के मारे उनकी कविताओं की वाह-वाही करने लगा। ऐसा लग रहा था जैसे मानों मुझसे बढ़कर कोई काव्य प्रेमी नहीं है। शाम के वक्त हम दोनों रामलीला देखने गए। वहां से लौटकर आने के बाद मैंने उन्हें खाना खिलाया। इसके बाद उन्होंने अपनी यात्रा के बारे में बताना शुरू किया। उन्होंने बताया कि वह इस वक्त कानपुर जा रहे हैं, अपनी पत्नी को लेने के लिए।

उनका मकान कानपुर में है। उन्होंने उस वक्त अपने विचार को साझा करते हुए बताया कि उनकी इच्छा मासिक पत्रिका निकालने की है। उन्होंने बताया कि प्रकाशक कविताओं के लिए एक हजार रुपये देते हैं, लेकिन उनकी इच्छा है कि

वे कविताओं को पत्रिका में क्रमश: निकालें फिर अपने ही पैसों से पुस्तकाकार प्रिंट करवाएं। उमापती ने यह भी बताया कि उनकी जमींदारी कानपुर शहर में है, लेकिन वो साहित्यिक जिंदगी बिताना चाहते हैं। उन्हें जमींदारी से नफरत है।

उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी लड़कियों के एक स्कूल में प्रधानाध्यापिका हैं। यह सारी बातें देर रात तक चलती रहीं। अधिकांश बाते उस दिन की याद नहीं है। हां, बस यह याद है कि हमने अपने भावी जिंदगी का एक प्रोग्राम बना लिया था। उस वक्त मैं अपनी किस्मत को सराह रहा था कि घर बैठे-बैठाये मुझे भगवान ने एक सच्चा दोस्त भेज दिया। हम लोगों को बात करते-करते लगभग आधी रात यूं ही बीत गई थी। उन्हें अगले दिन सुबह 8 बजे निकलना था। जब मैं सोकर उठा तो सुबह के 7 बज रहे थे।

मैंने देखा कि उमापति जी जाने के लिए तैयार थे। बोले- इजाजत दीजिए लौटते वक्त इधर से ही जाउंगा। इस वक्त आपको तकलीफ दे रहा हूं। माफ करिएगा। जब कल मैं चला था तो उस वक्त सुबह के 4 बज रहे थे। चलने की चिंता में पूरी रात जागना पड़ गया। गाड़ी में बैठते ही झपकियां आने लगीं। तो मैंने कोट उतार दिया और फिर लेटा तो फौरन सो गया। मुगलसराय में आंख खुली तो देखा कि कोट गायब था। कोट को मैंने चारो तरफ ढूंढा। पता ही नहीं चला कि मेरा कोट किसी ने चोरी कर लिया है। मेरे कोट में उस वक्त 50 रुपये रखे थे, वो भी साथ में चले गए। पत्नी के मैके उसे लेने जाना है और जाते वक्त मुझे कपड़े ले जाने हैं। आप मुझे 50 रुपए उधार दे दीजिए। ससुराल में हर वक्त थोड़े-बहुत पैसे खर्च होने स्वाभाविक हैं। ऐसे में अगर पैसे ना खर्च करो, तो हंसी होगी। मैं जब वापसी में इधर से लौटूंगा तो आपको पैसे देता हुआ जाऊंगा।

मैं उनकी बात सुनकर बड़ी दुविधा में था। मुझे पहले भी एक बार धोखा मिला था। फौरन मन में ख्याल आया कि कहीं इस बार भी धोखा न खा जाऊं। फिर तुरंत ही मुझे अपने इस ख्याल पर शर्म आने लगी। मैंने सोचा, इस संसार में हर आदमी एक जैसा नहीं होता। ये बेचारे कितने सज्जन आदमी हैं। इस वक्त मुसीबत में हैं। ये सोचते हुए मैंने अपनी पत्नी को कहा कि अगर तुम्हारे पास कुछ पैसे हैं तो दे दो। पत्नी ने पूछा, क्या करोगे? मैंने कहा, कल जो मेरे मित्र आए हैं किसी ने उनके रुपये सफर के दौरान चुरा लिए हैं। उन्हें ससुराल अपनी पत्नी को लेने जाना है। लौटते वक्त वो पैसे दे देंगे। मेरी बातों को सुनकर पत्नी ने मजाक करते हुए कहा कि तुम्हारे जितने भी दोस्त आते हैं, सब तुम्हें धोखा देने ही आते हैं। मेरे पास कुछ पैसे नहीं हैं। फिर मैंने थोड़ा अपनी पत्नी को मनाते हुए कहा कि अगर पैसे हैं तो दे दो ना, बेचारे तैयार होकर खड़े हैं। उनकी गाड़ी छूट जाएगी।

पत्नी ने कहा, बोल दो जाकर कि इस वक्त घर में कोई पैसे नहीं हैं। मैंने कहा, यह कहना इतना आसान बिल्कुल नहीं है। इसका मतलब यह है कि मैं दरिद्र होने के साथ-साथ अच्छा दोस्त भी नहीं हूं। क्या मेरे पास 50 रुपये का भी इंतजाम नहीं हो सकता। उमापति जी को इसपर कभी भी यकीन नहीं होगा कि मेरे पास इतने पैसे भी नहीं है। इससे तो यह सही है कि उनसे मैं सीधे-सीधे कह दूं कि हमे आप पर बिल्कुल भी यकीन नहीं हैं। मेरी बातें सुनकर पत्नी ने झुंझला कर बक्से की चाभी मेरे सामने फेंकते हुए कहा कि तुम जितनी आसानी से बहस कर लेते हो, अगर उतनी आसानी से आदमी परखना जानते तो अभी तक इंसान बन गए होते। जाओ और दे दो ये रुपये। इन रुपयों को उधार समझकर मत दो, ये समझना कि इन रुपयों को पानी में फेंक दिया। मुझे तो बस आम से मतलब था ना कि पेड़ की गिनती से। मैंने रुपये निकालकर उमापति जी को उसी वक्त दे दिए। उमापति जी ने पैसा लौटाने का वादा किया और चले गए।

उमापति सातवें दिन फिर शाम को घर वापस आएं। उनके साथ इस बार उनकी पत्नी व बेटी थी। दही-चीनी खिलाकर मेरी पत्नी ने उन लोगों का स्वागत व आदर-सत्कार किया। यहां तक कि 20 रु मुंह-दिखायी के दिये। इसके साथ की उनकी बेटी को भी मेरी पत्नी ने मिठाई खाने के लिए 2 रुपए दिये। मुझे लगा था कि उमापति जी आने के बाद ही मेरे रुपये लौटा देंगे, लेकिन उन्होंने रात में रुपयों का कोई जिक्र तक नहीं किया। सोते वक्त मैंने पत्नी से कहा कि रुपये का तो इन्होंने जिक्र तक नहीं किया।

पत्नी ने मेरी बात सुनकर हंसते हुए कहा कि क्या तुम्हे सच में उम्मीद थी कि वो आते ही फौरन तुम्हारे पैसे लौटा देंगे। मैंने पहले ही तुमसे कहा था कि रुपये मिलने की उम्मीद से उन्हें पैसे मत देना। यह समझो कि ये पैसे किसी दोस्त की मदद के लिए दिए थे, लेकिन तुम तो विचित्र हो। पत्नी की बातें सुनकर मैं लज्जित होकर चुप रह गया। उमापति अपने परिवार वालों के साथ दो दिन तक मेरे घर में रुके। मेरी पत्नी ने इस दौरान उन लोगों का खूब आदर-सत्कार किया। मुझे फिर भी संतोष नहीं था, क्योंकि मैं समझता था कि इन्होंने मेरे साथ धोखा किया था। तीसरे दिन वो सुबह जल्दी अपने घर जाने को तैयार हो गए। मुझे अब उम्मीद थी कि वो मेरे रुपये लौटा देंगे। ऐसा नहीं हुआ, वो अब एक नई रामकहानी सुनाने लगें। उन्होंने बिस्तर बांधते हुए कहा कि मुझे बड़ा ही दुख है कि इस बार मैं आपके पैसे नहीं लौटा पाउंगा। दरअसल, बात ये है कि घर में पिताजी से मुलाकात नहीं हो पाई। वे किसी काम से गांव गये हुए थे। मेरे पास इतनी छुट्टियां नहीं थी कि उनसे मिलने मैं गांव तक जाता। गांव जाने के लिए रेल का वहां कोई भी जरिया नहीं है। वहां पहुंचने के लिए बैलगाड़ियों से जाना पड़ता है। इसीलिए, सिर्फ एक दिन मैं घर में रहा और फिर अपने ससुराल को निकल गया। मेरे सारे रुपये ससुराल में ही खर्च हो गये। अब तो मेरे पास ट्रेन के टिकट तक का पैसा नहीं है। कृपया आप 25 रुपये मुझे दे दीजिए। मैं वहां पहुंचते ही आपके रुपये भेज दूंगा।

मन तो किया कि फौरन जवाब दे दूं, लेकिन ऐसा मैं कर नहीं पाया। मैंने पत्नी से पैसे मांगकर उमापती के हाथ पर रख दिए। इसके बाद वो चले गएं। एक हफ्ते के बाद फिर उमापति जी ने पत्र भेजा जिसमें लिखा था कि वो काम के सिलसिले में बाहर जा रहे हैं। वापस लौटकर रुपये भेजेंगे। पंद्रह दिनों के बाद मैंने एक पत्र लिखकर उनका हाल-चाल पूछा, लेकिन मेरे पत्र का कोई जवाब नहीं आया। मैंने पंद्रह दिनों के बाद फिर से पत्र लिखा और इस बार मैंने रुपयों के बारे में पूछा। इसका भी कोई जवाब नहीं आया।

एक महीने बाद मैंने फिर पत्र लिखा, लेकिन इस बार भी कोई जवाब न आया। मैं समझ गया था कि पत्नी ने जो भी कहा वो ही सच था। मैं निराश और चुप होकर बैठ गया। हालांकि, मैंने अपने इन पत्रों के बारे में अपनी पत्नी को कुछ नहीं बताया। उमापति के इस व्यवहार पर मुझ पर गहरा असर पड़ा। फिर इसी महीने मेरे यंत्रलय में बिहार-प्रांत से एक कंपोजीटर आया था। 15 रु. मासिक पर मैंने उसे काम पर रख लिया था। वो पहले किसी अंग्रेजी स्कूल में पढ़ा करता था। किसी का सहयोग न मिल पाने की वजह से वो पढ़ाई छोड़ चुका था। उसके घरवालों ने उसकी मदद करने से मना कर दिया था। मजबूर होकर उसे यह नौकरी करनी पड़ी। उसकी उम्र वही कोई 17 से 18 साल रही होगी। उसका गंभीर स्वभाव था और उसके बातचीत करने का तरीका भी अच्छा था। यहां आने की तीसरे ही दिन उसे बुखार आ गया।

कुछ दिनों के बाद भी जब बुखार नहीं गया, तो उसे अपने घर की याद सताने लगी। उसने मुझसे कहा कि वह बीमार है। उसे कुछ रुपए मिल जाए तो वह घर चला जाएगा। फिर वह वहां पहुंचकर पैसों का इंतजाम करके मुझे भेज देगा। वह सच में बहुत बीमार था, लेकिन मैं पहले से ही पैसों के मामले में धोखा खाकर बैठा हुआ था। इसलिए मैंने उसे मना कर दिया। मेरी बातें सुनकर वो रोने लगा और मुझसे मदद की विनती करने लगा, लेकिन धोखे की चोट खाए बैठा मैं उसकी बातों को नजरअंदाज कर गया।

दुविधा भरी स्थिति में उसने फिर आकाश को देखा और वहां से चला गया। मुझे अंदर ही अंदर बुरा लगा, लेकिन जो मैंने निर्णय लिया था मैं उसी पर अड़ा रहा। मैंने मन में इस बात पर विचार करके संतोष कर लिया कि मैं कहां का ऐसा धनी हूं, जो पैसे बहाता रहूं। वो लड़का मेरे पास से आंखों में आंसू लेकर गया था तब कार्यालय के एक क्लर्क जिनका नाम पं. पृथ्वीनाथ था। उन्होंने उसकी मदद कर दी। उन्होंने उसकी पूरी कहानी सुनकर उसे 15 रुपये दे दिए थे। जब मुझे इसकी जानकारी हुई तो मानो मेरे मन से कोई बोझ उतर गया हो। चलो अब वो बेचारा अच्छे से घर तो पहुंच ही जाएगा। यह सोचकर ही मुझे मुफ्त में ही संतोष मिल गया, लेकिन कुछ अपने किए पर भी मुझे शर्म आई। मैं बड़े-बड़े उपदेश दिया करता था, लेकिन आज अपनी ही जुबान से मुकर गया। पांचवें दिन पैसे आ गए। मेरी आंखे खोल देने वाली यह यातना मुझे शायद ही कभी मिली थी। खैर इस बारे में मैंने अपनी पत्नी को कुछ नहीं बताया था, वरना मेरा घर में मुश्किल हो जाता। पूर्वकथिक वृत्तांत को लिखकर मैंने पत्रिका में भेजवा दिया। मेरा मक्शद बस इतना था कि मैं लोगों को धोखेबाजी के इस कुपरिणाम का संदेश दूं। मुझे सपने में भी उम्मीद नहीं थी कि इसका मुझे कोई सीधा फल मिलेगा। फिर चौथे दिन 5 रुपये का मनीऑर्डर मेरे पास पहुंचा। मैं उसे देखकर इतना खुश हुआ कि मेरी खुशी की कोई सीमा नहीं थीं।

मनीऑडर भेजने वाला कोई और नहीं, बल्कि वही महोदय थे उमापति। भेजे गए कूपन पर सिर्फ क्षमा शब्द लिखा था। मैंने वो पैसे ले जाकर अपनी पत्नी को दे दिए और वो कूपन दिखाया। पत्नी ने बड़े ही अनमने तरीके से मुझसे कहा कि इसे ले जाकर अपनी अलमारी में रख लो। तुम ऐसे लोभी किस्म के इंसान हो मुझे नहीं मालूम था। कुछ पैसों के लिए इस तरह किसी के पीछे पड़ जाना अच्छी बात नहीं है। जब पढ़ा लिखा और विनयशील इंसान अपने वादे को पूरा न करे, तो समझना चाहिए वो मजबूर है। विविश हुए इंसान को इस तरह बेइज्जत करना सही नहीं है। मैं इन पैसों को तब तक नहीं रखूंगी, जब तक कि उमापति जी का कोई संदेश या पत्र नहीं आ जाता, जिसमें उनके रुपए भेजने की देरी का कारण लिखा हो। हालांकि, उस वक्त मैं ऐसी महान बातें सुनने के लिए बिल्कुल भी तैयार नहीं था। डूबे हुए रुपये मिल गए मैं उसी खुशी से फूले नहीं समा रहा था।

संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

ढाई आखर

प्रेम अबूझ, प्रेम अपरिभाषित..., प्रेम अनुभूत, प्रेम अनभिव्यक्त..। प्रेम ऐसा मोहपाश जो बंधनों से मुक्त कर दे, प्रेम क्षितिज का ऐसा आभास जो धरती और आकाश को पाश में आबद्ध कर दे। प्रेम द्वैत का ऐसा डाहिया भाव कि किसीकी दृष्टि अपनी सृष्टि में देख न सके, प्रेम अद्वैत का ऐसा अनन्य भाव कि अपनी दृष्टि में हरेक की सृष्टि देखने लगे।

ब्रजपर्व पूर्ण हुआ। कर्तव्य और जीवन के उद्देश्य ने पुकारा। गोविंद द्वारिका चले। ब्रज छोड़कर जाते कान्हा को पुकारती सुधबुध भूली राधारानी ऐसी कृष्णमय हुई कि 'कान्हा, कान्हा' पुकारने के बजाय 'राधे, राधे' की टेर लगाने लगी। अद्वैत जब अनन्य हो जाता है राधा और कृष्ण, राधेकृष्ण हो जाते हैं। योगेश्वर स्वयं कहते हैं, नंदलाल और वृषभानुजा एक ही हैं। उनमें अंतर नहीं है। रासरचैया से रासेश्वरी राधिका ने पूछा, कान्हा, बताओ, मैं कहाँ-कहाँ हूँ? गोपाल ने कहा, राधे, तुम मेरे हृदय में हो। विराट रूपधारी के हृदय में होना अर्थात अखिल ब्रह्मांड में होना।..तुम मेरे प्राण में हो, तुम मेरे श्वास में हो। जगदीश के प्राण और श्वास में होना अर्थात पंचतत्व में होना, क्षिति, जल, पावक, गगन, समीर में होना।..तुम मेरे सामर्थ्य में हो। स्रष्टा के सामर्थ्य में होना अर्थात मुरलीधर को गिरिधर करने की प्रेरणा होना। कृष्ण ने नश्वर अवतार लिया हो या सनातन ईश्वर होकर विराजें हों, राधारानी साथ रहीं सो कृष्ण की बात रही।

लघुत्तम से लेकर महत्तम चराचर में हो। राधे तुम यत्र, तत्र, सर्वत्र हो।

श्रीराधे ने इठलाकर पूछा, अच्छा अब बताओ, मैं कहाँ नहीं हूँ? योगेश्वर ने गंभीर स्वर में कहा, राधे, तुम मेरे भाग्य में नहीं हो।

प्रेम का भाग्य मिलन है या प्रेम का सौभाग्य बिछोह है? प्रेम की परिधि देह है या देहातीत होना प्रेम का व्यास है?

परिभाषित हो न हो, बूझा जाय या न जाय, प्रेम ऐसी भावना है जिसमें अनंत संभावना है।कर्तव्य ने कृष्ण को द्वारिकाधीश के रूप में आसीन किया तो प्रेम ने राधारानी को वृंदावन की पटरानी घोषित किया। ब्रज की हर धारा, राधा है। ब्रज की रज राधा है, ब्रज का कण-कण राधा है, तभी तो मीरा ने गुसाईं जी से पूछा था, ठाकुर जी के सिवा क्या ब्रज में कोई अन्य पुरुष भी है?

प्रेमरस के बिना जीवनघट रीता है। जिसके जीवन में प्रेम अंतर्भूत है, उसका जीवन अभिभूत है। विशेष बात यह कि अभिभूत करनेवाली यह अनुभूति न उपजाई न जा सकती है न खरीदी जा सकती है।

प्रेम न बाड़ी उपजै, प्रेम न हाट बिकाय
राजा परजा जेहि रुचै, सीस देइ ले जाय।

इस ढाई आखर को मापने के लिए वामन अवतार के तीन कदम भी कम पड़ जाएँ!

बोध कथा

व्यापारी का पतन और उदय

वर्धमान नामक शहर में एक कुशल व्यापारी रहा करता था। जब उस राज्य के राजा को उसकी कुशलता के बारे में पता चला, तो राजा ने उसे अपने राज्य का प्रशासक बना दिया। व्यापारी की कुशलता से आम व्यक्ति से लेकर राजा तक सभी बहुत प्रभावित थे। कुछ समय बाद व्यापारी की लड़की की शादी तय हुई। इस खुशी में व्यापारी ने बहुत बड़े भोज का आयोजन किया। इस भोज समारोह में उसने राजा से लेकर राज्य के सभी लोगों को आमंत्रित किया। इस समारोह में राजघराने में काम करने वाला एक सेवक भी आया, जो गलती से राज परिवार के सदस्यों के लिए रखी कुर्सी पर बैठ गया। उस सेवक को कुर्सी पर बैठा देख व्यापारी को बहुत गुस्सा आता है। गुस्से में व्यापारी उस सेवक का उपहास कर समारोह से भगा देता है। इससे सेवक को शर्मिंदगी महसूस होती है और वह व्यापारी को सबक सिखाने की ठान लेता है।

कुछ दिन बाद जब वह राजा के कमरे की सफाई कर रहा होता है, तो उस समय राजा कच्ची नींद में होता है। सेवक मौके का फायदा उठाकर बड़बड़ाना शुरू कर देता है। सेवक बोलता है, व्यापारी की इतनी हिम्मत, जो रानी के साथ दुर्व्यवहार करें। यह सुनकर राजा नींद से उठ जाता है और सेवक को कहता है, क्या तुमने कभी व्यापारी को रानी के साथ दुर्व्यवहार करते हुए देखा है। सेवक तुरंत राजा के पैरों में गिरकर उनसे माफी मांगने लगता है और कहता है, मैं रात में सो नहीं पाया, इसलिए मैं कुछ भी बड़बड़ा रहा हूं। सेवक की बात सुनकर राजा सेवक को कुछ नहीं बोलता, लेकिन उसके मन में व्यापारी के लिए शक पैदा हो जाता है।

इसके बाद राजा ने व्यापारी के राज महल में प्रवेश पर पाबंदी लगाकर उसके अधिकार को कम कर दिया। अगले दिन व्यापारी किसी काम से राज महल में आता है, तो उन्हें पहरेदार दरवाजे पर ही रोक देते हैं। पहरेदार का यह व्यवहार देखकर व्यापारी को आश्चर्य होता है। वहीं, पास में खड़ा राजा का सेवक जोर-जोर से हंसने लगता है और पहरेदार से कहता है, तुम्हें पता नहीं, तुमने किसे रोका है। यह बहुत ही प्रभावशाली व्यक्ति हैं, जो तुम्हें यहां से बाहर निकलवा सकते हैं। इन्होंने मुझे अपने भोज समारोह से निकलवा दिया था। सेवक की उन बातों को सुनकर व्यापारी को सब समझ में आ जाता है और वह उस सेवक से माफी मांगता है। साथ ही वह उस सेवक को अपने घर दावत के लिए आमंत्रित करता है। व्यापारी ने सेवक को बड़े विनम्र भाव से भोज कराया और कहा कि उस दिन जो भी किया वह गलत था। व्यापारी से सम्मान पाकर सेवक खुश होता है और कहता है, आप परेशान न हो राजा से खोया हुआ सम्मान आपको जल्दी वापस दिलाऊंगा।

उसके अगले दिन राजा जब कच्ची नींद में होता है, तो सेवक कमरे की सफाई करते हुए फिर से बड़बड़ाने लगता है और कहता है, हे भगवान हमारे राजा इतने भूखे होते हैं कि गुसलखाने में स्नान करते हुए खीर खाते रहते हैं। इस बात को सुनकर राजा नींद से उठकर सेवक से क्रोध में कहते हैं, मूर्ख सेवक तुम्हारी इतनी हिम्मत कि तुम मेरे बारे में ऐसी बात करो। राजा के क्रोध को देखकर सेवक पैर में गिरकर माफी मांगता है और कहता है, महाराज, रात को मैं ठीक तरह से सो नहीं पाया, इसलिए कुछ भी बड़बड़ा रहा हूं। फिर राजा सोचने लगता है, अगर यह सेवक मेरे बारे में ऐसा बोल सकता है, तो उस व्यापारी के बारे में भी झूठ ही बोल रहा होगा। अगले ही दिन राजा ने व्यापारी को महल में बुलाया और उन्हें उनसे छीने हुए सभी अधिकार वापस दे दिए।

वीर गाथा

विंग कमांडर अमरजीत सिंह संधूः पाकिस्तानी विमान को खूब छकाया, हजारों फीट की ऊंचाई पर मार गिराया

विंग कमांडर अमरजीत सिंह संधू का जन्म 23 जनवरी, 1933 को पंजाब के लायलपुर में हुआ था। भारत विभाजन के बाद उनका परिवार हरियाणा के सिरसा आकर बस गया था। अमरजीत को मई 1954 में भारतीय वायुसेना की फ्लाइंग ब्रांच में लड़ाकू पायलट के रूप में कमीशन मिला था। जल्द ही, उन्हें फ्लाइंग ऑफिसर बना दिया गया। जब वर्ष 1965 का युद्ध छिड़ा तो अमरजीत ने बतौर स्क्वाड्रन लीडर उसमें सक्रिय भूमिका निभाई थी। उन्हें 3 सितंबर को पाकिस्तानी वायुसेना के विमानों पर घातक हमला करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उस हमले में भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचाया था।

जब अमरजीत अपना फॉलेंड नैट विमान लेकर उड़ान भरते तो पाकिस्तानी इलाकों पर खौफ छा जाता था। उन्होंने 18 सितंबर को एक पाकिस्तानी सेबर विमान को मार गिराया था। उस कार्रवाई को अंजाम देने के लिए चार नैट विमानों ने लाहौर के दक्षिण की ओर उड़ान भरी थी।

अमृतसर के कंट्रोल रूम ने टीम को सेबर विमानों से सावधान कर दिया था। कुछ समय बाद छह सेबर विमान साफ दिखाई दिए। अमरजीत ने उनमें से अग्रणी विमान को ललकारा और उसके नजदीक गए। अब तो दोनों के बीच हवाई मुकाबला शुरू हो गया था।

पता चला कि पाकिस्तानी सेबर विमान को कोई अनुभवी पायलट उड़ा रहा था। अमरजीत ने उसे बहुत छकाया। आखिरकार सेबर पायलट ने 3,000 फीट की ऊंचाई पर आकर हमला करने का फैसला लिया। उसने सेबर को उसकी पीठ पर आधा घुमाया और सीधा गोता लगा दिया।

अमरजीत जानते थे कि ऐसी परिस्थिति में नैट को 4,000 फीट ऊंचाई की जरूरत होगी, लेकिन दुश्मन नीचे जाकर गंभीर खतरा पैदा करना चाहता था। उसी समय अमरजीत ने दुश्मन को जोरदार झटका दिया। उन्होंने तोप से निशाना साधा और सेबर को मार गिराया। जोरदार धमाके के साथ पाकिस्तानी विमान धरती पर आ गिरा। इसके लिए अमरजीत को 'वीर चक्र' से सम्मानित किया गया। विंग कमांडर अमरजीत 24 सितंबर, 1971 को पठानकोट एयरबेस से नैट विमान उड़ा रहे थे। वे उसी दौरान एक हादसे में वीरगति को प्राप्त हो गए।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

प्रगति यात्रा

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार शनिवार को बक्सर में अपनी 'प्रगति यात्रा' के दौरान लाभार्थियों को चेक सौंपते हुए।

अमेरिका-भारत के संबंध मजबूत हो रहे, राणा का प्रत्यर्पण स्वागत योग्य फैसला : पूर्व राजनयिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। देश के कई पूर्व भारतीय राजनयिकों ने एकसुर में कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हाल में संपन्न अमेरिका यात्रा 'बहुत सफल' रही जो दोनों देशों के बीच संबंधों को और मजबूत करेगी। इन राजनयिकों ने 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले के आरोपी तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पित करने के वाशिंगटन के कदम का स्वागत किया। मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 13 फरवरी को व्यापक वार्ता हुई। अमेरिका की अपनी यात्रा के समापन के बाद मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ उनकी बैठक 'शानदार' रही और उनके साथ वार्ता 'भारत-अमेरिका' के बीच मित्रता को महत्वपूर्ण गति प्रदान करेगी।

विदेश नीति के विशेषज्ञों, थिंक टैंक और कई पूर्व राजनयिकों ने इस यात्रा पर बारीकी से नजर रखी। ट्रंप के 20 जनवरी को राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण के तीन सप्ताह बाद दोनों नेताओं में यह वार्ता हुई। वर्ष 2017 से 2020 तक नीदरलैंड में भारत के राजदूत के रूप में कार्य करने वाले वेणु राजमणि ने इस यात्रा को 'किसी भी मानक के लिहाज से एक बड़ी सफलता' करार दिया। उन्होंने शनिवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, संयुक्त बयान बहुत प्रभावशाली है... इसमें भविष्य पर केंद्रित साझेदारी पर जोर दिया गया है। भारत और अमेरिका ने कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अपने रणनीतिक संबंधों को व्यापक बनाने की दिशा में एक बड़ी छलांग लगाने का फैसला किया है, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ वार्ता के बाद घोषणा की कि वाशिंगटन अरबों डॉलर की सैन्य आपूर्ति बढ़ाने के हिस्से के रूप में नई दिल्ली को एफ-35 लड़ाकू विमान प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। दोनों नेताओं ने आईएनडीयूएस (इंडस) 'इनोवेशन ब्रिज' का भी शुभारंभ किया, जिसे रक्षा अनुप्रयोगों के लिए सफल 'इंडस-एक्स' मंच के आधार पर तैयार किया गया है। 'इंडस' नवोन्मेष का उद्देश्य अंतरिक्ष, ऊर्जा और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों पर ध्यान केंद्रित करना है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ ट्रंप की बातचीत पर, राजमणि ने दावा किया कि युद्ध का अंत निकट है, लेकिन यह रूस की शर्तों पर खत्म होगा। व्हाइट हाउस द्वारा जारी संयुक्त बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने सहयोग के प्रमुख स्तंभों में परिवर्तनकारी बदलाव लाने के लिए एक नई पहल - 21वीं सदी के लिए 'अमेरिका-भारत कॉम्पैक्ट' की शुरुआत की है। कॉम्पैक्ट से आशय सैन्य साझेदारी, त्वरित वाणिज्य और प्रौद्योगिकी के लिए अवसरों के सृजन से है। इसमें कहा गया है, उन्होंने भारत की रक्षा आवश्यकताओं को तेजी से पूरा करने के लिए भारत में जैवलिन टैंक रोधी गाइडेड मिसाइल और हमलावर पैदल सेना के लड़ाकू वाहनों के लिए इस साल नई खरीद और सह-उत्पादन व्यवस्था को आगे बढ़ाने की योजना की घोषणा की। राजमणि ने कहा, हमारे संबंधों में रक्षा का प्रमुख स्थान है और यह खरीद से कहीं अधिक है। प्रौद्योगिकी सहयोग महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि स्वायत्त प्रणाली उद्योग गठबंधन शुरू किया गया है।

अमेरिका से अवैध प्रवासियों को बेड़ियों में जकड़ कर भेजना क्रूर और शर्मनाक है : उमा भारती

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने अवैध भारतीय प्रवासियों को क्रूर एवं बेहद शर्मनाक तरीके से वापस भेजने के लिए शनिवार को अमेरिका की निंदा की। अमेरिका का एक सैन्य विमान भारत के विभिन्न राज्यों के 104 अवैध प्रवासियों को लेकर पांच फरवरी को अमृतसर पहुंचा था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के तहत इन लोगों को भारत निर्वासित किया था। कुछ निर्वासितों ने दावा किया कि पूरी यात्रा के दौरान उनके हाथ-पैरों में हथकड़ी लगी रही तथा अमृतसर में उतरने के बाद ही उनकी बेड़ियां खोली गईं।

भारती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा,अमेरिका से वापस भेजे गए अवैध प्रवासी भारतीयों को जिस तरह से हथकड़ियों एवं बेड़ियों में जकड़कर वापस भेजा गया, वह बेहद शर्मनाक एवं मानवता के लिए कलंक है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सरकारों ने 'रेड इंडियंस' और वहां रहने वाले अफ्रीकी मूल के लोगों के प्रति कई बार यह क्रूर और हिंसक रवैया दिखाया है।

'रेड इंडियन' शब्द का इस्तेमाल यूरोपीय उपनिवेशवादियों द्वारा उत्तरी अमेरिका के मूल निवासियों के लिए किया जाता था। भाजपा नेता ने कहा, जब उन्हें (निर्वासित लोगों को) विमान से भेजा जा रहा था तब उन्हें हथकड़ियों और बेड़ियों में रखना अमेरिकी प्रशासन की क्रूरता और अमानवीयता को दर्शाता है। किसी देश में अवैध रूप से प्रवेश करना अपराध है, हर देश के कानून के अनुसार इसकी सजा का प्रावधान है, लेकिन ऐसी क्रूरता महा पाप है। अमेरिका से 119 अवैध प्रवासियों को लेकर एक विमान शनिवार रात अमृतसर हवाई अड्डे पर उतरेगा।

संयुक्त राष्ट्र जलवायु प्रमुख ने भारत को 'सौर महाशक्ति' बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र जलवायु प्रमुख साइमन स्टील ने भारत को एक 'सौर महाशक्ति' कहा है। उन्होंने भारत से अपनी सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था को शामिल करते हुए एक महत्वाकांक्षी जलवायु योजना विकसित करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा है कि वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में उछाल को और अधिक मजबूती से अपनाने से भारत की आर्थिक उन्नति को गति मिलेगी। 'ईटी ग्लोबल बिजनेस समिट' में भाग लेने के लिए भारत आए स्टील ने जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए भारत के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जहां कुछ सरकारें केवल बातें करती हैं, वहीं 'भारत काम करता है।' उन्होंने कहा, भारत पहले से ही एक सौर महाशक्ति है, 100 गीगावाट से अधिक सौर ऊर्जा स्थापित करने वाले केवल चार देशों में से एक है... ऊर्जा की पहुंच बढ़ रही है और देशभर के गांवों में 2018 तक बिजली पहुंचा दी जाएगी, जो तय समय से काफी पहले है।

स्टील ने कहा, अब अगला कदम उठाने और भारत के 1.4 अरब लोगों और अर्थव्यवस्था के लिए और भी बड़े लाभ प्राप्त करने का वास्तविक अवसर है। भारत पहले से ही इस दिशा में दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है, लेकिन वैश्विक स्वच्छ ऊर्जा उछाल को और भी मजबूती से अपनाने से भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। स्टील ने कहा कि भारत के पास एक ऐसा अवसर है जो केवल कुछ ही देशों के पास है। यह है 'नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के सैकड़ों गीगावाट को तैनात करने की महत्वाकांक्षी योजनाओं को साकार करना' हरित औद्योगिकीकरण की एक नई लहर का नेतृत्व करना, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों का विकास, विस्तार और निर्यात करना।' विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था जलवायु योजनाओं का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में है। संयुक्त राष्ट्र जलवायु प्रमुख ने कहा कि भारत के नेताओं के पास समग्र अर्थव्यवस्था औद्योगिक रणनीतियों को गहरा करने का एक दुर्लभ अवसर है, जो तेजी से विकासशील दक्षिण एशियाई राष्ट्र को स्वच्छ ऊर्जा और उद्योग में एक प्रमुख शक्ति बना देगा।

मुलाकात

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ मेला में 'सृजन के उत्सव' के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पूज्य स्वामी चिदानंद सरस्वती से मिलते हुए।

एआर रहमान ने की कावेरी कपूर के गाने की तारीफ

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री कावेरी कपूर फिल्म 'बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी' से बॉलीवुड में डेब्यू के लिए तैयार हैं। म्यूजिक कंपोजर-गायक एआर रहमान ने गीत लेखन की उनकी कला की भी जमकर तारीफ की है। अभिनेत्री को अपनी पहली फिल्म के नए गाने 'एक धागा तोड़ा मैंने' के लिए काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। 'एक धागा तोड़ा मैंने' को कावेरी ने खुद ही कंपोज किया है और गाया है। खास बात यह है कि यह गाना उनके एक गीत का हिंदी अनुवाद है, जो उन्होंने किशोरावस्था में अंग्रेजी में लिखा था। हिंदी में इसके बोल प्रसून जोशी ने लिखे हैं और रहमान ने इसे प्रोड्यूस किया है। कावेरी की प्रशंसा करते हुए रहमान ने एक बयान में कहा, गीत लिखने की कला, खास तौर पर कविता में व्यक्तिगत विचार डालना, एक उपहार है, एक आशीर्वाद की तरह है, जो हर किसी को नहीं मिलता। मुझे लगता है कि कावेरी में यह गुण उनके दुनिया को देखने के उनके नजरिए के कारण है। मुझे उनके साथ इस ट्रैक पर काम करना और सह-निर्माण करना बहुत पसंद आया और मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।

'एक धागा तोड़ा मैंने' को कावेरी ने अपनी मधुर आवाज दी है। यह गाना न केवल जीवन में होने वाली उथल-पुथल पर बात करता है, बल्कि हमारे सामने आने वाली मुश्किलों और उनसे निपटने के तरीकों के बारे में भी बात करता है। कावेरी ने पहले बताया था कि

वह रहमान को अपना गुरु मानती हैं और उन्होंने संगीत की यात्रा में उन्हें गाइड किया। उन्होंने बताया था कि जब उन्होंने 'एक धागा तोड़ा मैंने' लिखा था, तब उनकी उम्र 15 साल थी। अंग्रेजी में 'रिमिनिस' के नाम से जब उन्होंने इसे रहमान को भेंट किया था, तो उन्होंने इसे बनाने में रुचि दिखाई थी। जब उनके 'बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी' के निर्देशक कुणाल कोहली ने यह गाना सुना, तो उन्होंने इसे फिल्म के म्यूजिक एल्बम में शामिल करने के लिए कहा। इस तरह प्रसून जोशी को हिंदी बोल लिखने की जिम्मेदारी दी गई और यह गाना सामने आया। एआर रहमान ने हाल ही में कॉमेडियन समय रैना और पॉडकास्टर रणवीर इलाहाबादिया को लेकर 'इंडियाज गॉट लेटेंट' विवाद के बारे में भी बात की थी। उन्होंने कहा था, मुझे लगता है कि पिछले सप्ताह हमने देखा है कि मुंह खोलने पर क्या-क्या होता है। उनकी प्रतिक्रिया पर खूब तालियां बजी थीं।

फिल्म 'सरकारी बच्चा' 28 को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

रुस्लान मुमताज और आन्या तिवारी की फिल्म सरकारी बच्चा 28 फरवरी को रिलीज होगी। दानिश सिद्दीकी निर्मित और फ्लाइंग बर्ड पिक्चर्स के बैनर तले सूर्यकांत त्यागी और दानिश सिद्दीकी की जोड़ी द्वारा निर्देशित, सरकारी बच्चा आधुनिक समय के प्यार पर एक नया, अनोखा नज़रिया पेश करता है, जहाँ अंतिम परीक्षा सिर्फ़ दिल की नहीं बल्कि एक स्थिर सरकारी तनख्वाह की भी होती है! सरकारी बच्चा का आधिकारिक पोस्टर हाल ही में रिलीज़ किया गया है। रुस्लान मुमताज और आन्या तिवारी अभिनीत, सरकारी बच्चा एक ऐसे युवक की कहानी है जो प्यार में डूबा हुआ है, लेकिन उसे एहसास होता है कि उसकी सबसे बड़ी बाधा लड़की को प्रभावित करना नहीं है, बल्कि एक सुरक्षित सरकारी नौकरी

के साथ उसके परिवार को प्रभावित करना है- ऐसा कुछ जो उसके पास नहीं है! हास्य, रोमांस, विचित्रता और ड्रामा से भरपूर, यह फिल्म एक मध्यम वर्गीय परिवार के जुनून और प्यार पर स्थिरता के प्रति जुनून को दर्शाती है।

मुख्य जोड़ी में बिजेंद्रे कलाम, एहशान खान, दिवंगत जूनियर महमूद, आशीष सिंह, दानिश सिद्दीकी, गुरप्रीत कौर चड्ढा, रिजवान सिकंदर और हेमंत चौधरी जैसे प्रतिभाशाली अभिनेताओं की टोली शामिल है। फिल्म में मशहूर गायक जावेद अली, रितु पाठक, रितु राज मोहंती और हरमन नाजिम के साथ एक बेहतरीन साउंडट्रैक है, जिसका संगीत दानिश अली, नजाकत शुजात और सहजन शेख सागर ने दिया है। फिल्म के बारे में बात करते हुए, निर्माता दानिश सिद्दीकी ने साझा किया, सरकारी बच्चा एक हल्की-फुल्की लेकिन भरोसेमंद कहानी है जो कई युवा भारतीयों द्वारा सामना की जाने वाली वास्तविक जीवन की दुविधा को दर्शाती है। यह हास्य, भावनाओं और संगीत से भरपूर है जो निश्चित रूप से दर्शकों को पसंद आएगी।

निर्देशक सूर्यकांत त्यागी ने कहा, हम एक ऐसी फिल्म बनाना चाहते थे जो मनोरंजन करे लेकिन साथ ही समाज के एक खास तबके के जुनून को भी सूक्ष्मता से दिखाए जो यह मानता है कि आज की तकनीकी दुनिया में करियर के ढेरों विकल्पों के बीच केवल सरकारी नौकरी ही सबसे सुरक्षित है। हमारे नायक की यात्रा हास्यप्रद और प्रेरणादायक दोनों है। सुरेश एल वर्मा और चंदन के पंडित द्वारा सिनेमैटोग्राफी और एसवाई77 पोस्टलैब द्वारा पोस्ट-प्रोडक्शन के साथ, सरकारी बच्चा एक आकर्षक और मनोरंजक सिनेमाई अनुभव देने के लिए तैयार है। यह फिल्म 28 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म की एक और खासियत अभिनेता श्रेष्ठ अय्यर का विशेष शानदार अभिनय है।

नई फिल्म 'दीवानियत' के साथ वापसी करेंगे हर्षवर्धन राणे

मुंबई/एजेन्सी

साल 2016 में रिलीज़ हुई हर्षवर्धन राणे की फिल्म 'सनम तेरी कसम' को हाल ही में फिर से सिनेमाघरों में रिलीज किया गया। इस रि-रिलीज़ के बाद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। अब इसी सफलता के बाद हर्षवर्धन राणे अपनी नई फिल्म 'दीवानियत' के साथ वापसी करने जा रहे हैं।

हर्षवर्धन राणे अब एक और भावुक प्रेम कहानी के साथ वापसी करने के लिए तैयार हैं। उनकी नई फिल्म का नाम 'दीवानियत' होगा, जिसका निर्देशन मिलाप मिलन जावेरी करेंगे।

फिल्म के निर्माता अमूल मोहन और अंशुल मोहन हैं। इस फिल्म की मुख्य अभिनेत्री की घोषणा जल्द ही की जाएगी और दर्शक इसे लेकर उत्साहित हैं। 'दीवानियत' की शूटिंग मार्च 2025 में शुरू होगी और फिल्म 2025 के अंत तक सिनेमाघरों में रिलीज़ हो सकती है। इस प्रेम कहानी के साथ हर्षवर्धन राणे एक बार फिर अपने दर्शकों को इमोशनल अनुभव देने वाले हैं।

रकुल प्रीत सिंह ने पोस्ट शेयर करके बताई कंफर्ट जोन की बात

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करके अपनी भावनाएं व्यक्त की हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही इस पोस्ट में रकुल ने लिखा, हर कोई हमेशा अपने कम्फर्ट जोन को लेकर अच्छा महसूस करता है, लेकिन कम्फर्ट जोन हमें कभी आगे नहीं बढ़ने देता। अभिनेत्री ने आगे कहा, आपका कम्फर्ट जोन ही आपका दुश्मन है। इसकी वजह से आप कभी आगे नहीं बढ़ सकते। रकुल प्रीत सिंह अक्सर चर्चा में रहती हैं, चाहे वो उनकी फिल्मों, फिटनेस रूटीन, फैशन सेंस, या फिर उनके व्यक्तिगत जीवन से जुड़ी खबरें हों। इसके अलावा वो सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव हैं, जिससे वो अपने फैंस के साथ लगातार जुड़ी रहती हैं। फिलहाल रकुल प्रीत सिंह अपनी आगामी फिल्म 'कबीर सिंह' में व्यस्त हैं। फिल्म 'मेरे हसबेंड की बीवी' के कारण सुर्खियों में आई हैं। रकुल के साथ इस फिल्म में अभिनेता अर्जुन कपूर और भूमि पेडनेकर सहित कई दमदार स्टार कलाकार नजर आएंगे। इस बीच दर्शक फिल्म 'मेरे हसबेंड की बीवी' की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। 'मेरे हसबेंड की बीवी' कॉमेडी और ड्रामा से भरपूर है। फिल्म का निर्माण जैकी भगनानी और वासु भगनानी की पूजा एंटरटेनमेंट ने किया है। यह फिल्म 21 फरवरी को पूरे भारत में रिलीज होगी।

रामगोपाल वर्मा की फिल्म 'साड़ी' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'साड़ी' 28 फरवरी 2025 को सिनेमाघरों में हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में रिलीज़ होने के लिए तैयार है। इसी बीच फ़िल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। अब दर्शक फ़िल्म की रिलीज़ की प्रतीक्षा कर रहे हैं। इस फ़िल्म को खुद रामगोपाल वर्मा ने प्रेजेंट किया है। आरजीवी आरवी प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फ़िल्म 'साड़ी' कई सच्ची घटनाओं पर बेस्ड है। इस मनोवैज्ञानिक रोमांचक फ़िल्म के निर्माता रवि वर्मा हैं, जबकि निर्देशन की कमान गिरि कृष्ण कमल ने संभाली है। यह फ़िल्म एक लड़की के लिए एक लड़के के जुनून की स्टोरी है, जो डरावना हो जाता है। सत्य यदु ने उस जुनूनी लड़के का किरदार निभाया है, जो आराध्या देवी अभिनीत एक लड़की को देखते ही पागल हो जाता है और उसको फॉलो करना शुरू कर देता है एवं उसकी भावनाएं फिर खतरनाक हो जाती हैं। राम गोपाल वर्मा बॉलीवुड में एक ऐसे फ़िल्म मेकर के रूप में जाने जाते हैं, जिन्होंने ढेरों नई प्रतिभाओं को स्टार बनाया है। अभिनेत्री आराध्या देवी भी उनकी ही खोज है। फ़िल्म 'साड़ी' के ट्रेलर को सोशल मीडिया पर काफी सराहा जा रहा है। यह फ़िल्म 4 भाषाओं में 28 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | रविवार | 16-02-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

ज्ञानयोग, ध्यानयोग, तपयोग आदि कठिन हैं। भगवान की भक्ति में मन को एकाग्र कर मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। भगवान के प्रति अनन्य प्रीति और समर्पण की भूमिका भक्ति को सार्थक करती है। जैनदर्शन में वर्णित भगवान का स्वरूप समझने जैसा है। जो सर्वदोषों से रहित, राग-द्वेष मुक्त आत्मा हो, सिर्फ उन्हीं को जैनदर्शन में भगवान माना जाता है। ऐसे परमात्मा की निष्काम भक्ति ही आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। इसलिए जैनदर्शन के अनुसार भगवान और देवी-देवता में मौलिक अंतर है। यहां भगवान का स्थान सर्वोपरि है।

हथकरघा एवं हस्तशिल्प के अनूठे उत्पादों से सजा 'कलासंते' बाजार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय मान्या आर्ट एंड क्राफ्ट तथा स्मार्ट आर्ट इवेंट्स के संयुक्त साझेदारी में आयोजित कलासंते हथकरघा एवं हस्तशिल्प बाजार कलासंते प्रदर्शनी सह बिक्री का शुभारंभ इग्मोर स्थित गवर्नमेंट म्यूजियम में शुक्रवार को हुआ। आयोजकों ने प्रदर्शनी का उद्घाटन गणेश भगवान की पूजा कर माल्यार्पण से किया।

दस दिवसीय प्रदर्शनी सह बिक्री सुबह 8 बजे से रात 10 बजे तक चलेगी। प्रदर्शनी में विभिन्न राज्यों से आए हथकरघा एवं हस्तशिल्प उत्पादों की 90 से अधिक स्टाल लगाए गए। कलासंते भारत की समृद्ध विरासत और जीवंत संस्कृति का उत्सव है जिसमें शिल्प, वस्त्र, गृह सज्जा, आभूषण और हाथ से तैयार की गई कलाकृतियों की विविधतापूर्ण रेंज प्रदर्शित की गई है। कलासंते के इस संस्करण में उड़ीसा, मणिपुर, हिमाचल प्रदेश और मध्य प्रदेश सहित देश के विभिन्न कोनों से कारीगर भाग लें रहे है ये कुशल कारीगर दुर्लभ और जटिल उत्पादों को प्रदर्शित कर रहे है जिससे प्रतिभागियों को एक ही छत के नीचे भारत की पारंपरिक शिल्पकला के जादू का अनुभव करने का मौका मिल रहा है।

आगंतुक पारंपरिक वस्त्रों जैसे कि कांथा, कसुती, इकत, फुलकारी, उप्पदा, पटोला और चिकनकारी के साथ-साथ फलोदी के हाथ से बुने हुए कढ़ाई वाले टॉप, कोलकाता और बनारसी की आकर्षक साड़ियाँ और जटिल मोमबत्ती स्टैंड सहित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला देख एवं खरीद सकते हैं। इस कार्यक्रम में लम्बानी और जयपुर के आभूषण, बांस की कला और शिल्प, गढ़ा लोहा और प्राचीन फर्नीचर, बाटिक और ब्लॉक प्रिंट परिधान, समुद्री शंख कलाकृतियाँ, घास की टोकरियाँ और कलात्मक थर्माकोल मूर्तियों के साथ उड़ीसा के बने आदिवासी आभूषण, चांदी की जाली और जयपुर के लाह के बर्तन सहित अनेकों हस्तनिर्मित आभूषणों की एक अनूठी श्रृंखला को भी देख सकते है

प्रदर्शनी उद्घाटन के अवसर पर मान्या आर्ट एंड क्राफ्ट के प्रवक्ता जयंत नजारे एवं चंकी कटारिया ने कहा कि आज की तेज-रफ़्तार दुनिया और गैजेट के युग में हथकरघा और हस्तशिल्प के पारखी लोग विरासत के वस्त्रों और पुरानी बुनाई तकनीकों को बढ़ावा देने की ज़रूरत महसूस कर रहे हैं इसलिए हमारा उद्देश्य उन सभी कारीगरों के प्रयास और प्रतिभा को मान्यता देना है जो इन आकर्षक उत्पादों को बुनते और तैयार करते हैं।

वैष्णव महाविद्यालय में एक दिवसीय राष्ट्रीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव महाविद्यालय, अरुम्बक्कम में शनिवार को हिंदी विभाग शिफ्ट-खख द्वारा एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का विषय था 'हिंदी साहित्य में लघु कथा लेखन'।

हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ मनोज कुमार द्विवेदी ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की उपयोगिता पर अपनी बात रखी और बच्चों को बताया कि लघु कथा हमारे आस-पास की घटनाओं पर ही आधारित होती है। इसी को ध्यान में रखते हुए आज इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। विभागाध्यक्ष ने कहा कि वैष्णव महाविद्यालय का हिन्दी विभाग हमेशा अपने विद्यार्थियों के लिए कुछ न कुछ सीखने की प्रक्रिया में प्रयासरत रहता है। आज की यह कार्यशाला भी उसी का एक भाग है।

हिन्दी में लेखन

का महत्व बहुत बढ़ गया है। लघुकथा लेखन की बारीकियों को समझने में निश्चित रूप से यह कार्यशाला सहायक होगी। महाविद्यालय के प्राचार्य कैप्टन डॉ एस संतोष बाबू, सचिव डॉ अशोक कुमार मूँदडा तथा कोषाध्यक्ष अशोक केड़िय ने भी कार्यशाला के आयोजन के लिए हिन्दी विभाग को अपनी शुभकामनाएँ दी।

कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में सेवानिवृत्त प्राध्यापक प्रो.बीएल आच्छा ने छात्रों को लघु कथा लेखन पर विहंगम दृष्टि डाली। साथ ही साथ लघुकथा लिखने की बारीकियों से अवगत कराया। उन्होने बहुत ही विस्तार से छात्रों से चर्चा करते हुए लघुकथा की पृष्ठभूमि किस प्रकार से निर्मित की जाए, कई लघुकथाओं के माध्यम से बताया। तत्पश्चात कार्यशाला में छात्रों ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

कार्यशाला के दौरान विभिन्न विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार दिए गए। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ सुनील पाटिल ने कार्यशाला का संचालन किया। हार्दिक ने मुख्य वक्ता

का परिचय दिया। हिन्दी विभाग शिफ्ट-। के विभागाध्यक्ष डॉ मनोजकुमार सिंह एवं सहायकप्राध्यापिका डॉ हर्षलता शाह ने कार्यशाला में सक्रिय रूप से सहभागिता दी। डॉ कुमार अभिषेक एवं डॉ प्रवीण कुमार मिश्र जी ने इस कार्यशाला को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। भावेश जैन ने धन्यवाद दिया। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को हिंदी साहित्य में लघु कथा लेखन की कला में प्रशिक्षित करना और उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा देना था। कार्यशाला मे लगभग 100 छात्रों ने भाग लिया।।

आचार्यश्री तुलसी महाप्रज्ञ चेतना केंद्र एवं सेवा केंद्र के पदाधिकारियों ने ली शपथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन में मुनिश्री मोहजीतकुमारजी की निश्रा में तुलसी चेतना व सेवा केंद्र की नई कार्यकारिणी समिति ने शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर मोहजीत मुनिजी ने सभी को दायित्व के प्रति जागरूक रहकर संघ के प्रति सजग प्रहरी बनने के लिए प्रोत्साहित किया।

संघ सेवा में कार्यकर्ताओं को समय नियोजन के साथ, संस्था की उन्नति के लिए सदा चिंतनशील रहने की बात कहीं। चेतना केन्द्र के निवर्तमान अध्यक्ष श्रअमित नाहटा एवं पूर्व अध्यक्ष सोहनलाल मांडोत ने नवमनोनीत अध्यक्ष मदनलाल बोराणा व ललित मांडोत को शपथ ग्रहण करवाई।

आचार्य तुलसी महाप्रज्ञ सेवा केंद्र के पदाधिकारी के रुप में ललित मांडोत अध्यक्ष, मदनलाल बरमेचा, कन्हैयालाल चिप्पड़ व गौतमचंद मुथा को उपाध्यक्ष, लादूलाल बाबेल को मंत्री, राकेश छाजेड़ स राजेश चावत को सहमंत्री, विमल पितलिया को कोषाध्यक्ष व विक्रम दुग्गड़ को संगठन मंत्री बनाया गया। आचार्य तुलसी महाप्रज्ञ चेतना केंद्र के पदाधिकारी के रुप में मदनलाल बोराणा को अध्यक्ष, मदनलाल बरमेचा गौतमचंद मुथा व महेंद्र दक को उपाध्यक्ष, प्रेम चावत को मंत्री, मनोज डागा व रामलाल गन्ना को सहमंत्री, दिनेश पोखरना को कोषाध्यक्ष, सुनील बाफना को संगठन मंत्री बनाया गया है। इस अवसर पर विभिन्न तेरापंथ सभा के पदाधिकारी, गांधीनगर सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, ट्रस्ट अध्यक्ष व चेतना सेवा केंद्र के ट्रस्टियों की उपस्थिति रही।

अमेरिका से अवैध प्रवासियों को बेड़ियों में जकड़ कर भेजना क्रूर और शर्मनाक है : उमा भारती

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री उमा भारती ने अवैध भारतीय प्रवासियों को क्रूर एवं बेहद शर्मनाक तरीके से वापस भेजने के लिए शनिवार को अमेरिका की निंदा की। अमेरिका का एक सैन्य विमान भारत के विभिन्न राज्यों के 104 अवैध प्रवासियों को लेकर पांच फरवरी को अमृतसर पहुंचा था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने अवैध प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई के तहत इन लोगों को भारत निर्वासित किया था। कुछ निर्वासितों ने दावा किया कि पूरी यात्रा के दौरान उनके हाथ-पैरों में हथकड़ी लगी रही तथा अमृतसर में उतरने के बाद ही उनकी बेड़ियां खोली गईं। भारती ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने पोस्ट में कहा,अमेरिका से वापस भेजे गए अवैध प्रवासी भारतीयों को जिस तरह से हथकड़ियों एवं बेड़ियों में जकड़कर वापस भेजा गया, वह बेहद शर्मनाक एवं मानवता के लिए कलंक है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सम्मान

डॉक्टर विष्णुवर्धन अभिमानी संघ द्वारा लग्गेरे में आयोजित वार्षिक कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने विष्णुवर्धन के चित्र पर पुष्प अर्पित करके अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। संघ के पदाधिकारियों ने मुणोत का सम्मान किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

आमंत्रण

बेंगलूरु के तेरापंथ समाज के वरिष्ठ समाजसेवी गौतमचंद मुथा, नवनीत मुथा, संदीप मुथा, सुशील बाफना, हार्दिक मुथा ने बेंगलूरु के राजभवन में राज्यपाल थावरचन्द गहलोत से मुलाकात कर उन्हें पुष्पाबाई भूपेन्द्र मुथा के जीवन यात्रा स्मृति 'दर्पण' पुस्तक की एक प्रति भेंट की तथा 9 मार्च को होने वाले इस पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम में शामिल होने का निवेदन किया व आमंत्रित किया।

बीएचईएल को तेलंगाना में सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट के लिए ऑर्डर मिला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लि. (बीएचईएल) ने ईपीसी आधार पर तेलंगाना के मंचेरियल जिले में 1800 मेगावाट आदिलाबाद सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट स्थापित करने के लिए सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लि. (एससीसीएल) से ऑर्डर हासिल किया है।

अनुबंध के तहत, बीएचईएल के कार्य क्षेत्र में सिविल कार्यों के साथ डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, आपूर्ति, निर्माण और कमीशनिंग शामिल है। इस दायरे में उत्सर्जन नियंत्रण के लिए अत्यधिक कुशल, अत्याधुनिक उपकरणों की आपूर्ति भी शामिल है। प्रस्तावित इकाई मौजूदा 2600 मेगावाट चालू इकाइयों के निकट स्थापित की जाएगी। इन इकाइयों के लिए बीटीजी स्कोप भी बीएचईएल को सौंपा गया था। दोनों इकाइयों को साल 2016 में कमीशन किया गया था। बीएचईएल ने तेलंगाना में विभिन्न संस्थाओं के लिए 75 प्रतिशत से ज्यादा कोयला आधारित सेट स्थापित किए हैं।

'जैन परंपरा में मंदिरों और तीर्थों का प्राचीन इतिहास है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा। शनिवार को स्थानीय आदिनाथ जिनालय में मंत्रों, मुद्राओं और विविध जड़ीबूटियों से युक्त आयोजित विशिष्ट अभिषेक विधान में भक्तों को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वजी ने कहा कि मैं समझता हूं कि दुनिया में कोई भी आस्तिक व्यक्ति अमूर्तिपूजक नहीं है। जो अमूर्तिपूजक हैं, वे भी अपने आराध्य के किसी न किसी प्रतीक, चिन्ह या स्मृति को जीवंत रखकर उसे पूजनीय मानते हैं। जैसे मक्का, मदीना, गुरुद्वारा, समाधि स्थल, कीर्तिस्तंभ, स्थानक, तेरापंथ भवन, मीनार, निशान, गुरुग्रंथ साहिब, काबा का पत्थर आदि। भले ही यहां मूर्तियां न हो, परंतु इन्हें आराध्य, पूजनीय, श्रद्धेय को पवित्र माना जाता है। ये उस-उस मान्यता के लोगों को अपने आराध्य की याद दिलाते हैं, साधना के लिए प्रेरित करते हैं।

आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मंदिर मानव सभ्यता के खोजे हुए बहुत प्राचीन और अद्भुत आविष्कार हैं। मंदिरों से संस्कृति का रक्षण और विकास हुआ है। भक्तियोग में लोगों को जोड़ने में मंदिरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। जैन परंपरा में मंदिरों और तीर्थों का सबसे पुराना इतिहास है।

मथुरा के संग्रहालय में सुरक्षित जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ की प्रतिमा पुरातत्व की दृष्टि से पांच हजार वर्ष पुरानी है। निराकारी परमात्मा के साकार स्वरूप हैं मंदिर। इनसे मनुष्य को भगवान की पहचान होती है, उनके गुणों की आराधना-उपासना का सशक्त आलंबन मिलता है, इनकी भक्ति से मन को शक्ति और शांति मिलती है।

ये पूर्ण वैज्ञानिक तथ्य है। इस अवसर पर गणि पद्मविमलसागरजी ने कहा कि वेद, उपनिषद, गीता, कुरान, बाइबल, गुरु ग्रंथ साहिब, आगम, मोजेज आदि धर्मग्रंथ कोई जीवित भगवान, देव, अल्लाह, गुरु या आराध्य नहीं हैं, फिर भी ये प्राणों से प्यारे हैं और पूजनीय हैं। यह निराकार आराध्य की साकार स्वीकृति और साधना ही हैं। दोपहर में भगवान महावीर भवन में राजस्थान गुजरात के अप्रवासी समुदाय के प्रतिनिधियों की विशेष सभा का आयोजन किया गया। सभा में सभी ने संस्कृति की रक्षा और सुसंस्कारों की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर स्थानीय विधायक, पुलिस अधीक्षक, उप पुलिस अधीक्षक, अनेक पुलिस इंस्पेक्टर और विविध संगठनों के पदाधिकारियों ने जैनाचार्य के दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण किए।

ईएसआईसी की 13वीं क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता का भव्य समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय एसआरएम विश्वविद्यालय के परिसर में 13वें क्षेत्रीय खेल (दक्षिण) मीट का शुक्रवार को समापन हो गया। समापन के दिन फुटबॉल, क्रिकेट और वॉलीबॉल के फाइनल मुकाबले आयोजित किए गए, जिसके बाद विश्वविद्यालय के मिल्खा सिंह स्टेडियम में एक समापन समारोह आयोजित किया गया।

तमिलनाडु सरकार के श्रम एवं कौशल विकास सचिव के. वीरराघव राव इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने वॉलीबॉल, फुटबॉल और टेबल टेनिस की विजयी टीमों और खिलाड़ियों को पदक और पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

पैरा राइफल शूटर आदित्य गिरी, डब्ल्यूएसपीएस विश्व कप 2024 में रजत पदक विजेता, 5वीं राष्ट्रीय पैराशूटिंग चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता विशेष आमंत्रित थे। बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कैरम और शतरंज के विजेताओं और प्रतिभागियों को विशेष आमंत्रित द्वारा पुरस्कृत किया गया।

कन्हैयालाल अग्रवाल बाल निकेतन नर्सरी एंड प्राइमरी स्कूल

बाल निकेतन स्कूल में इंटर स्कूल प्रतियोगिता आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के बाल निकेतन स्कूल प्रांगण में इंटर स्कूल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 3 वर्ष से 7 वर्ष तक की आयु के कुल मिलाकर 110 बच्चों ने राइम टाइम, चित्रकला, मेमोरी गेम, फैंसी ड्रेस, योग आदि प्रतियोगिता में भाग लिया। संगठन के सदस्य अजय नाहर, गिरि बागड़ी,अरुणा फोमरा, भावना त्रिवेदी एवं प्रधानाध्यापिका मीतू सहदेव ने अभिभावकों का अभिनंदन किया। संगठन सदस्यों ने सभी बच्चों को प्रमाण पत्र व पुरस्कार दिए। स्कूल के बच्चों ने प्रार्थना गीत, स्वागत नृत्य, योगासन एवं धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जो व्यक्ति संयम में रहता है वो परमलक्ष्य को पाता है : मुनिश्री मोहजीतकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ मुनिश्री मोहजीतकुमारजी ने शनिवार को गांधीनगर स्थित तेरापंथ सभा भवन में मंगल प्रवेश किया। इस मौके पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए मुनिश्री मोहजीतकुमारजी ने कहा कि जो व्यक्ति संयम में रहता है वो परमलक्ष्य को पाता है। परम विजय को पाना है तो संयम की चेतना का जागरण करना है, कोई भी काम धैर्य से करना चाहिए। व्यक्ति क्रिया करता है, उसका परिणाम भी ध्यान में रखना चाहिए। प्रवचन सुनने से विचार धारा बदलती है विचार बदलने से आत्मा उत्थान होता है।

मुनिश्री भव्य कुमारजी ने अपने उद्बोधन में सामायिक साधना के बारे में विशेष जानकारी दी,एवं बताया कि एक ही बात के अनेक शब्दार्थ होते हे जो समझने वाला किस रूप में समझता हे अपनी अपनी बुद्धि एवं विवेक से समझ लेता है। तेरापंथ सभा अध्यक्ष पारसमल भंसाली ने सभी का स्वागत किया। मंत्री विनोद छाजेड़ ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए मुनिश्री से भवन में कुछ और दिन विराजने हेतु निवेदन किया। सभा के पूर्व अध्यक्ष बहादुर सेठिया ने गीत का गान किया।

ट्रस्ट अध्यक्ष सुशील चोरड़िया ने अपने विचार व्यक्त किए। इस मौके पर कन्हैयालाल गिडिया, सोहनलाल मांडोत, सुरेश दक, विनय बैद, प्रकाश कटारिया, तेयुप अध्यक्ष विमल धारीवाल,मंत्री राकेश चोरड़िया,महिला मण्डल अध्यक्षा रिजु डूंगरवाल सहित विभिन्न संबंधित संस्थाओं के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मंत्री विनोद छाजेड़ ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Aditya at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.